बाधो, मास , वर्ष-10, अंक 182, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज शनिवार 28 सितम्बर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

# आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

## युवाओं में बढ़ रहे हैं हृदय रोग, महिलाएं और पुरुष दोनों को है बराबर का खतरा- डा अजय कौल

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक) नोएडा।** कुछ समय पहले तक ऐसा माना जाता था कि हार्ट अटैक का खतरा केवल बुजुर्गों को रहता है, लेकिन इधर देखने में आ रहा है कि युवाओं में भी, खासतौर से 30 से 40 साल की उम्र के लोगों को भी हृदय रोग प्रभावित कर रहे हैं। बेशक, दुनियाभर में हृदय रोगों का खतरा बढ़ा है लेकिन भारत में पिछले पांच वर्षों के दौरान ये काफी बढ़े हैं। अचानक हार्ट अटैक और अन्य हृदय रोगों के बढ़ने का कारण हमारा तेज रफ्तार जीवन और खराब लाइफस्टाइल है। फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा के डॉक्टरों ने आज अस्पताल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस चिंताजनक रुझान की ओर लोगों का ध्यान खींचा है और ऐसे युवा हृदय रोगियों के उदाहरण भी दिए जो अचानक हार्ट अटैक के शिकार बन चुके हैं। डॉ अजय कौल, चेयरमैन, कार्डियाक साइंसेज़, फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा ने कहा , हाल के वर्षों में, भारत में युवा आबादी के बीच हृदय रोगों के मामले

बढ़ रहे हैं, और खासतौर से 30 से 40 साल की आयुवर्ग के लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। आमतौर पर, हृदय रोगों के बारे में यह धारणा थी कि ये रोग केवल अधिक उम्र के वयस्कों को ही प्रभावित करते हैं। लेकिन हाल के अध्ययनों से यह चिंताजनक तस्वीर उभरी है कि अब अधिक युवा भारतीय हार्ट अटैक तथा अन्य कार्डियोवास्क्युलर रोगों के शिकार बन रहे हैं। इसका कारण काफी हद तक लाइफस्टाइल में बदलाव होना है जो खानपान की खराब आदतों, व्यायाम रहित जीवनशैली, और बढ़ते तनाव का परिणाम है। युवा वयस्कों में बढ़ रहे हृदय रोगों के मद्देनज़र, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और डिस्लिपीडेमिया (खून में लिपिड की मात्रा असामान्य होना) की जांच करवाना महत्वपूर्ण है। रूटीन हेल्थ चेकअप के दौरान समय पर रोगों के पकड़ में आने की संभावना बढ़ जाती है और रोगों का बेहतर तरीके से उपचार हो पाता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है।डॉ संजीव गेरा, डायरेक्टर एंड एचओडी, कार्डियोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा ने कहा , हम हर साल करीब 70 से 80 हृदय संबंधी रोगों के मामले देख रहे हैं। हाल में हमने 30 से 40 साल की उम्र के कुछ युवा मरीजों का उपचार किया, इन सभी को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल में भर्ती होने के तुरंत बाद ही, उनकी पूरी जांच की गई और तत्काल उपचार किया गया। इन मरीजों को उपचार से फायदा पहुंचा और अब वे सामान्य जीवन बिता रहे हैं। देखा गया है कि युवाओं में बढ़ते हृदय रोगों के पीछे बढ़ता तनाव और व्यायामरहित जीवनशैली मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। संवाददाता सम्मेलन के दौरान वे मरीज भी मौजूद थे जिन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा था और उनका फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा में इलाज किया गया। पहला मामला 37 साल की एक महिल का था जो करीब एक सप्ताह तक छाती में बेचैनी की शिकायत के बाद फोर्टिस नोएडा के आपातकालीन विभाग में भर्ती हुई थीं। मेडिकल जांच से पता चला कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और कोरोनरी एंजियोग्राफी में उनकी रक्तवाहिकाओं के ब्लॉक होने का पता चला। अस्पताल में उनका इलाज एक नई टेक्नोलॉजी - डीसीबी (ड्रग कोटेल बैलून) से किया गया ताकि उनके शरीर में स्टेंट या किसी प्रकार की धातु न डालनी पड़ी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA)

COPA कोर्स सभी प्रकार की नौकरियों जैसे-

पुलिस विभाग (कम्प्यूटर आपरेटर)

रक्षा मंत्रालय (DRDO) भारत सरकार मुद्रण विभाग, राजकीय आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर, स्वास्थ्य विभाग और सभी सरकारी विभागों, बैंक / प्रतिष्ठानों के लिए मान्य यह प्रमाणपत्र O-Level के समकक्ष है।

विशेष - ये कोर्स रेलवे द्वारा निकाली जाने वाली कम्प्यूटर ऑपरेटर की रिक्तियों के लिए मान्य है।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

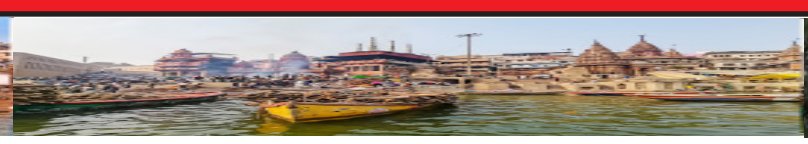

## विश्व फार्मासिस्ट दिवस

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**प्रयागराज।** प्रत्येक व्यक्ति जो औषधि और रोगविज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखता है, वह एक फार्मासिस्ट बनने का सपना देखता है। फार्मासी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए, आपको शैक्षणिक योग्यता, आवश्यक कौशल, और अनुभव की आवश्यकता होती है। इस लेख में, हम फार्मासिस्ट कैसे बने इस विषय पर विस्तृत चर्चा करेंगे। फार्मासी एक आपूर्ति और बिक्री का क्षेत्र है जो दवाओं, औषधियों, और स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों को संचालित करता है। फार्मासिस्ट रोगियों को दवाओं और आवश्यक रामबाण उपचार की सलाह देते हैं। यह एक गरिमामय और प्रतिष्ठित पेशेवर क्षेत्र है जो लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करने का एक महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है। करियर के बारे में जानकारीपूर्ण और दिलचस्प सामग्री कैप्सूल शामिल हैं।

शिवानी सिंह सेंगर सहायक प्रोफेसर
डॉ0 ए.पी.जे अब्दुल कलाम
टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ

## प्रयागराज पूर्व विधायक मेंजा नीलम करवरिया की मौत के बाद प्रयागराज में शोक की लहर

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**प्रयागराज ।** मेजा विधानसभा सीट सेँ ढ्ढ् विधायक रहीं नीलम करवरिया की बीमारी के चलते निधन हो गया। उन्हें लिवर सिरोसिस की बीमारी थी। यही कारण है कि वह कुछ दिनों से हैदराबाद के निजी अस्पताल में भर्ती थीं। हालत ज्यादा गंभीर होने से डॉक्टर गुरुवार को उन्हें वेंटिलेटर पर रख दिये थे, लेकिन उनमें कोई सुधार नहीं हो रहा था। देर रात अस्पताल में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन की सूचना पर बड़ी संख्या में उनके समर्थक उनके आवास पर पंहुचने लगे।उनकी दो बेटियां समृद्धि व साक्षी करवरिया और एक बेटा सक्षम है। बता दें कि काफी दिनों से नीलम करवरिया की तबीयत खराब चल रही थी। इसी दौरान उनका हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में एडमिट कर दिया गया था,जहा उनका इलाज चल रहा था। जहां देर रात उनका निधन हो गया। सोशल मीडिया व फेसबुक के माध्यम से देर रात 10:00 बजे से ही उनकी मौत की खबर आनी शुरू हो गई लेकिन खबर की पुष्टि तब तक नहीं हो पाई थी।यह सूचना उनके निजी प्रतिनिधि जितेंद्र शुक्ला ने फेसबुक के माध्यम से समस्त प्रयागराज की जनता को यह सूचित करते हुए कहा की अब हमारे बीच भाभी मां,पूर्व विधायक नीलम करवरिया नहीं रही। जैसे ही यह सूचना लोगों तक पहुंची शोक की लहर दौड़ गई। विधायक नीलम करवरिया का निधन।

## आगामी त्योहार नवरात्रि, दुर्गा पूजा व दशहरा, रामलीला, भरत मिलाप आदि त्योहार के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व प्रशिक्षु आईएएस उपजिलाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से थाना रॉबर्ट्सगंज में थाना क्षेत्र के धर्मगुरुओं गणमान्य व्यक्तियों के साथ की गयी पीस कमेटी की बैठक

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व प्रशिक्षु ढ्ढ्ं उपजिलाधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से थाना रॉबर्ट्सगंज पर आगामी त्योहार नवरात्रि, दुर्गा पूजा व दशहरा, रामलीली, भरत मिलाप आदि त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से थाना क्षेत्र के विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं/सम्भ्रान्त व्यक्तियों, ग्राम प्रधानों के साथ शान्ति समिति/पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी । इस दौरान बैठक में उपस्थित विभिन्न धर्मगुरुओं, सम्भ्रान्त व्यक्तियों से वार्ता कर उपरोक्त त्योहार को सौहार्द एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी साथ ही सभी से अपील की गयी कि पंडालों पर विशेष ध्यान दिया जाए किसी भी तरह से अराजकता का महौल न होने पाये तथा अराजक तत्वों के सम्बंध में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें । इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को भी थाना क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए आगामी त्यौहार को सकुशल व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

## थाना अनपरा पुलिस द्वारा हत्या से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** वादी मुकदमा रविशंकर यादव पुत्र रामप्यारे यादव निवासी कुलडोमरी टोला बैरपान थाना अनपरा जनपद सोनभद्र द्वारा थाना अनपरा पर आकर तहरीर दिया गया कि उसके चचरे भाई द्वारा उसकी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला करके उसकी हत्या कर दी गयी है उक्त तहरीर के आधार पर थाना अनपरा पर मु0अ0सं0- 141/2024 धारा 103(1) के पंजीकृत किया गया । उक्त प्रकरण में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा वांछित अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु विशेष दिशा निर्देश दिए गये उक्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी पिपरी के के निकट पर्वेक्षण में अनपरा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 141/2024 धारा 103(1ँ)ए के पंजीकृत अभियोग में वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी व आला कतल की बरामदगी अनपरा पुलिस टीम के द्वारा कठिन परिश्रम व हिकमत अमली के साथ अभियुक्त करोड़पति यादव पुत्र रामअधार यादव निवासी कुलडोमरी टोला बैरपान थाना अनपरा जनपद सोनभद्र उम्र 38 वर्ष को उसके घर से दिनांक 25.09.24 को समय करीब 18.05 बजे मय आला कतल कुलहाड़ी के साथ गिरफ्तार किया गया तथा आला कतल को कब्जा पुलिस में लेकर अभियुक्त उपरोक्त को विधिक कार्यवाही करते हुए रिमांड हेतु माननीय न्यायालय रवाना किया गया ।

## पुरानी पेंशन बहाली हेतु अटेवा का पेंशन आक्रोश मार्च

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** अटेवा पेंशन बचाओ मंच के राष्ट्रीय आवाह्न पर पुरानी पेंशन बहाली की मांग के लिए जनपद सोनभद्र में भी अटेवा जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्य के नेतृत्व में पेंशन आक्रोश मार्च का आयोजन किया गया। आक्रोश मार्च हाइडिल मैदान से प्रारंभ होकर महिला थाना, शीतला माता चौक, बढ़ौली चौराहा होते हुए पुनः हाइडिल मैदान पर आकर समाप्त हुआ। इसके पश्चात बाईक रैली द्वारा कलेक्ट्रेट पर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। पुरानी पेंशन बहाली हेतु आयोजित आक्रोश मार्च में जनपद से प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्व माध्यमिक संघ, यूटा संघ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ,टीएससिटी, महिला शिक्षक संघ, पंचायती राज ग्रामीण सफाई संघ, लेखपाल संघ, नर्सेज संघ, लैब टेक्नीशियन संघ, एनम संघ, उ0 प्र0 कर्मचारी महासभा, लोक निर्माण विभाग, चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ सहित जिले के सभी संगठनो ने प्रतिभाग किया। प्रदेश प्रभारी रंजना सिंह ने कहा कि आज से करीब 20 वर्ष पूर्व में सरकार ने (एनपीएस) नई पेंशन योजना की तारीफों के पुल बांधे थे और अब पुनः 20 वर्ष बाद एक बार फिर से (यूपीएस) यूनिफाइड पेंशन स्कीम को नए तरीके से पेश करके कर्मचारियों को गुमराह करने का कार्य कर रही है परंतु इस बार शिक्षक,कर्मचारी सरकार की बातों में नही आने वाला है। रविभूषण सिंह और शिवम अग्रवाल ने बताया कि यूपीएस पेंशन योजना में जीपीएफ जैसी कोई व्यवस्था नही है। जहां पुरानी पेंशन व्यवस्था में 20 वर्ष की सेवा पूरी करने पर पेंशन की व्यवस्था थी वहीं यूपीएस में इसे 25 वर्ष कर दिया गया है , इसमें कर्मचारी को अपने वेतन का 10ज्ञ् देना होगा जबकि ओपीएस में कर्मचारियों का अंशदान शून्य था। अतः हमें पुरानी पेंशन उसी रूप में वापस चाहिए। लेखपाल संघ अध्यक्ष सुबोध सिंह व राजेश कुमार सिंह ने कहा कि जिस तरह सरकार को किसान बिल वापस लेना पड़ा था उसी प्रकार एनपीएस और यूपीएस को भी वापस लेना पड़ेगा।क्योंकि कर्मचारियों को पुरानी पेंशन से कम कुछ भी मंजूर नही है। योगेश पांडेय व संतोष कुमारी ने बताया कि यदि सरकार जल्दी ही कोई ठोस निर्णय नही लेती तो कर्मचारी पूरे परिवार के साथ वोट की चोट करेगा और सरकार को आने वाले चुनावों में गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। अरुण सिंह कुशवाहा और रेखा सिंह व आरडी कौशल ने कहा कि अब सभी कर्मचारियों ने यह बात अच्छी तरह से समझ लिया है कि यूपीएस एनपीएस से भी ज्यादा खतरनाक है इसलिए हमें पुरानी पेंशन उसी रूप में ही वापस चाहिए और समस्त कर्मचारी इससे कम कुछ भी स्वीकार नही करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने कहा कि सरकार जब गारंटीड पेंशन की हिमायती है तो उसे पुरानी पेंशन बहाल करने में क्या समस्या हो रही है,? जबकि शिक्षकों व कर्मचारियों को पुरानी पेंशन के अलावा कुछ भी मंजूर नही है रवि प्रकाश सिंह मौर्य व कुंजलता त्रिपाठी और रामगोपाल यादव ने कहा कि सरकार एक ओर तो एक देश और एक विधान की बात करती है ।

## 2 अक्टूबर तक चलेगा स्वच्छता जागरूकता अभियान दिलाई शपथ

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**सोनभद्र।** शासन के आदेशानुसार माह अक्टूबर में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत गुरुवार को विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में नगर पालिका (सभाकक्ष) में बैठक आहूत की गयी। जिसमें सभी वार्डों के मा0 सदस्यगण व मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान दिनांक 01 से 31 अक्टूबर, 2024 तक नगर के सभी वार्डों में साफ-सफाई, गार्बेज निस्तारण,, एण्टीलार्वा का छिड़काव, फागिंग, झाड़ियों की कटाई तथा नियमित रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति के साथ संचारी रोग नियत्रण अभियान के अन्तर्गत रोकथाम व बचाव हेतु विस्तृत रूपश्खताया गया। तथा स्वच्छता ही सेवा ( 17 , से 02 अक्टूबर, 2024) चलने वाले अभियान के तहत स्वच्छता से सम्बन्धित जागरूक करते हुए स्वच्छता शपथ की शपथ दिलायी गयी। उपस्थित सफाई नायक, जलकल प्रभारी कर्मचारीगण को सचेष्ठा पूर्वक अपना कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैंठक में सभी वार्ड के सदस्यगण, मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के अधिकारी / कर्मचारी तथा पालिका के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

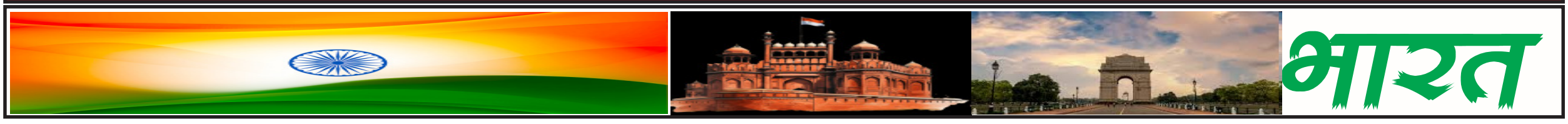


## संक्षिप्त समाचार

### बिहार के 12 जिलों में बाढ़ से मची तबाही, हिमाचल प्रदेश में गर्मी के साथ उमस बढ़ी

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ का पानी रेलवे पुल के गर्डर तक पहुंचने के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है।

कई ट्रेनों के मार्ग भी बदलने पड़े हैं। बिहार के 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इन जिलों में 12.67 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। हालांकि, पटना समेत कुछ स्थानों पर गंगा नदी का जल स्तर कम होना शुरू हो गया है, लेकिन कई नदियां उफान पर हैं। निचले इलाकों में पानी भरा हुआ है। उधर, हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर थमने के साथ ही रविवार को कई ठंडे इलाकों का तापमान बढ़ गया। प्रदेश के सबसे ठंडे क्षेत्र केलांग का पारा 27 डिग्री के पार पहुंच गया। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) की तरफ से रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि गंगा नदी के किनारे वाले 12 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। निचले इलाके में रहने वाले 12.67 लाख जलभराव से प्रभावित हुए हैं। इन जिलों में 361 पंचायतों पर प्रभाव पड़ा है। इन जिलों में प्रशासन की तरफ से राहत और बचाव कार्यों में 1,400 नावों को लगाया गया है। आठ राहत शिविर लगाए गए हैं जहां बाढ़ प्रभावित लोगों को रखा जा रहा है। प्रभावित जिलों में बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मूंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार शामिल हैं।

### तेज रफ्तार बस ने साइकिल सवार छात्र को कुचला

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** सुल्तानपुर जिले के नेमपुर-दोस्तपुर रोड पर एक तेज रफ्तार निजी बस ने साइकिल सवार छात्र को रौंद दिया। इससे नाराज ग्रामीणों ने चालक को बंधक बनाकर तोड़फोड़ की और पथराव किया। तेज रफ्तार निजी बस ने मंगलवार सुबह नेमपुर-दोस्तपुर रोड पर कामतागंज बाजार के पास साइकिल सवार छात्र को रौंद दिया। हादसे में छात्र की मौत से नाराज ग्रामीणों ने चालक को बंधक बनाकर बस में तोड़फोड़ की। उधर, नाराज छात्रों ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर जाम लगा दिया। जाम खुलवाने के लिए आए पुलिस और प्रशासनिक अमले पर छात्रों व ग्रामीणों ने पथराव भी किया।

## बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी की मौत की जांच सीआईडी करेगी, पुलिस मुठभेड़ में गई थी जान

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** अक्षय शिंदे के शव को मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए ठाणे के कलवा नागरिक अस्पताल से सरकारी जेजे अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ डॉक्टरों की उपस्थिति में कैमरे में पोस्टमार्टम किया जाएगा। बदलापुर मामले का आरोप अक्षय शिंदे सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) आरोपी की मौत की जांच करेगी। फॉरेंसिक साइंस विशेषज्ञों की एक टीम ने मंगलवार को पुलिस वाहन की जांच की, जिसमें आरोपी अक्षय शिंदे को एक पुलिसकर्मी ने गोली मार दी थी। बता दें कि शिंदे को सोमवार की शाम करीब 6:15 बजे पुलिस की गाड़ी में ले जाया जा रहा था। तभी उसने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन ली। इसके बाद उसने एक सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) पर गोली चला दी। जिसमें एपीआई घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें शिंदे की मौत हो गई। आरोपी को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह घटना पुलिस हिरासत में मौत से संबंधित है। इसकी जांच महाराष्ट्र सीआईडी करेगी। उन्होंने आगे बताया कि सीआईडी की एक टीम मुंब्रा बाईपास पर उस स्थान का दौरा करेगी, जहां घटना हुई थी। वे उन पुलिसकर्मियों के बयानों को भी रिकॉर्ड करेंगे, जो घटना के दौरान वाहन में मौजूद थे। सीआईडी अधिकारी आरोपी अक्षय शिंदे के माता-पिता के बयान को भी रिकॉर्ड करेंगे।अक्षय शिंदे के शव को मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए ठाणे के कलवा नागरिक अस्पताल से सरकारी जेजे अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ डॉक्टरों की उपस्थिति में कैमरे में पोस्टमार्टम किया जाएगा। अक्षय शिंदे के पिता ने अपने बेटे की मौत पर जांच की मांग की। आरोपी के परिवारवालों ने पुलिस के दावों को चुनौती दी। गौरतलब है कि 17 अगस्त को पुलिस ने इस मामले में स्कूल के अटेंडेंट को गिरफ्तार किया था। शख्स पर किंडरगार्टन में पढ़ रहीं तीन और चार साल की दो बच्चियों से उत्पीड़न का आरोप था। बच्चियों के परिजनों की तरफ से दी गई शिकायत के मुताबिक, अटेंडेंट ने लड़कियों का स्कूल के टॉयलेट में ही उत्पीड़न किया था।

## तमिलनाडु में एनआईए का बड़ा एक्शन, आतंकी साजिश के मामले में 11 स्थानों पर की जा रही छापेमारी

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम तमिलनाडु के 11 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। भारत में इस्लामिक शासन की साजिश करने वाले कट्टरपंथी

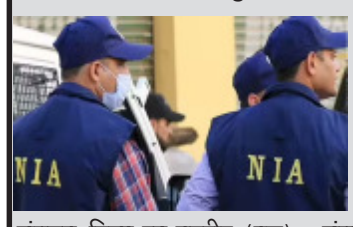


संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (प्लूऊ) के खिलाफ एनआईए ने बड़ी कार्रवाई की। तमिलनाडु में कम से कम 11 जगहों पर एनआईए ने छापेमारी की। यह संगठन दुनियाभर के कई देशों में प्रतिबंधित है। युवाओं का ब्रेनवॉश करके देशविरोधी कामों में लगाने के आरोप में चेन्नई सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मुकदमा दर्ज किया था। अब इस मामले को एनआईए को सौंप दिया गया है। हिज्ब-उत-तहरीर भड़काऊ तकरीरें सुनाकर युवाओं को बरगलाने की कोशिश करता है। यह युवाओं को जिहाद के लिए तैयार करने के अलावा उन्हें हथियारों की ट्रेनिंग भी देता है। यहां तक की कट्टरपंथी आतंकवादी संगठन जैविक हथियार बनाने की भी ट्रेनिंग देता है। हिज्ब-उत-ताहिर धर्म परिवर्तन में भी शामिल रहता है। इसके अलावा लव जिहाद की घटनाओं में भी उसका हाथ पाया गया है।

## सीबीआई ने की टीएमसी नेता से पूछताछ, हड़बड़ी में मृतक का अंतिम संस्कार करवाने में था हाथ

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** ऐसा बताया जाता है कि हड़बड़ी में मृतक का अंतिम

संस्कार करवाने में टीएमसी नेता का बड़ा अहम हाथ था।। इससे पहले सीबीआई ने आरजी कर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी बिरुपाक्ष बिस्वास से भी पूछताछ की। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के रडार पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक निर्मल घोष और अस्पताल के फोरेंसिक विभाग के डॉक्टर-प्रोफेसर अपूर्व बिस्वास भी हैं। जांच एजेंसी ने सोमवार को दोनों को अपने साल्ट लेक स्थित दफ्तर में तलब किया और 7 घंटे पूछताछ की। जूनियर डॉक्टर की 9 अगस्त की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी थी और उसका शव अस्पातल के ही सेमिनार हॉल में मिला था।सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि टीएमसी विधायक ने मृतक डॉक्टर के जल्दबाजी में अंतिम संस्कार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। घटना वाले दिन यानी 9 अगस्त को निर्मल घोष और अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के बीच फोन पर कई बार बातचीत हुई थी। टीएमसी विधायक उस दिन अस्पताल और अंतिम संस्कार स्थल के साथ ही कई जगहों पर दिखे थे। अधिकारी ने बताया कि एजेंसी जानना चाहती है कि टीएमसी विधायक और पूर्व प्राचार्य के बीच क्या बातचीत हुई थी।

## अलीपुरद्वार डिवीजन के न्यू मैनागुड़ी स्टेशन पर बड़ा हादसा टला, मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतरीं

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** अलीपुरद्वार डिवीजन के न्यू मैनागुड़ी स्टेशन पर एक खाली मालगाड़ी के पांच बोगियां पटरी से उतर गईं। यह घटना मंगलवार की सुबह छह बजे के करीब घटी। इस हादसे के बाद अन्य ट्रेनों को दूसरे मार्गों से भेजा गया, जिससे आवाजाही प्रभावित नहीं हुई। अलीपुरद्वार डिवीजन के न्यू मैनागुड़ी स्टेशन पर एक खाली मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गईं। यह घटना मंगलवार की सुबह छह बजे के करीब घटी। इस हादसे के बाद अन्य ट्रेनों को दूसरे मार्गों से भेजा गया, जिससे आवाजाही प्रभावित नहीं हुई। घटना की जानकारी पाकर डीआरएम अलीपुरद्वार समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर मरम्मत का काम जारी है।स्टेशन अधीक्षक मुकेश कुमार ने कहा, ठहमें यह जानकारी मिली की ट्रेन पटरी से उतर गई। यह घटना आज सुबह के छह बजे के करीब घटी। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मरम्मत का काम जारी है।ठ अलीपुरद्वार डिवीजन के डीआरएम अमरजीत गौतम ने कहा, ठआज सुबह न्यू मैनागुड़ी स्टेशन पर एक खाली मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गईं। हम यातायात बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। टीम इसकी जांच कर रही है, हम भी जांच कर रहे हैं।

## सिद्धारमैया से जुड़ी याचिका पर हाईकोर्ट आज सुनाएगा फैसला सीएम ने राज्यपाल के आदेश को दी थी चुनौती

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** 31 अगस्त को कर्नाटक के राज्यपाल के कार्यालय ने हाईकोर्ट को बताया था कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति विचार-विमर्शठ के बाद दी गई थी।कर्नाटक हाईकोर्ट आज मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला सुनाएगा। हाईकोर्ट ने 12 सितंबर को मामले की सुनवाई को पूरा कर अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया था। इस याचिका में सिद्धारमैया ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा जांच के लिए दी गई मंजूरी को चुनौती दी है।जस्टिस एम नागप्रसनन आज दोपहर 12 बजे अपना फैसला सुनाएंगे। सिद्धारमैया की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वकील अभिषेक मनु सिंघवी समेत कई वरिष्ठ वकीलों ने दलीलें पेश कर चुके हैं। जबकि राज्यपाल थावर चंद गहलोत की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए थे। इसके अलावा शिकायतकर्ताओं के वकील सन्हमई कृष्णा और टीजे अब्राहम ने भी अपनी दलीलें पेश की हैं।शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि एमयूडीए ने मैसूर

की एक प्राइम लोकेशन पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी को अवैध रूप से 14 भूखंड आवंटित किए। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 19 अगस्त को पारित अपने अंतरिम आदेश में सिद्धारमैया को अस्थायी राहत दे दी थी। इसके साथ ही बेंगलुरू की एक विशेष अदालत को भी आगे की कार्यवाही स्थगित करने और राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी के पालन में कोई भी जल्दबाजी वाली कार्रवाई न करने के निर्देश दिए थे। 31 अगस्त को कर्नाटक के राज्यपाल के कार्यालय ने हाईकोर्ट को बताया था कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति ठविचार-विमर्शठ के बाद दी गई थी। अगस्त में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के खिलाफ कर्नाटक सरकार के मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों ने 'राजभवन चलो' विरोध प्रदर्शन किया था। कांग्रेस ने राज्यपाल पर भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा था कि राज्यपाल के समक्ष कई अन्य मामले भी लंबित हैं, लेकिन उन्होंने उन पर कोई निणय नहीं लिया है। इसी बीच राज्यपाल गहलोत ने पिछले सप्ताह राज्य की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को कथित एमयूडीए घोटाले पर दस्तावेजों के साथ विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, कर्नाटक में मुदा जमीन आवंटन घोटाले में सीएम सिद्धारमैया को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उनके खिलाफ जांच शुरू करने और मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। राज्यपाल के आदेश को सीएम सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई 31 अगस्त तक के लिए टाल दी है। कोर्ट ने 19 अगस्त के अंतरिम आदेश को भी बढ़ा दिया। इसमें हाईकोर्ट ने विशेष एमपी एमएलए कोर्ट को सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ शिकायतों की सुनवाई को अगली कार्यवाही तक स्थगित करने के लिए कहा था।

## झारखंड विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू, आयोग ने लिया तैयारियों का जायजा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** झारखंड में विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉक्टर एसएस संधू रांची पहुंचे हुए हैं। उन्होंने अपने दौरे के पहले दिन रांची में केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की।झारखंड में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉक्टर एसएस संधू रांची पहुंचे हुए हैं। उन्होंने अपने दौरे के पहले दिन रांची में लगभग 20 केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को प्रलोभन मुक्त तरीके से संपनन कराने के लिए चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। 12 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल दो दिन लगातार 5 मैराथन बैठक करके राज्य में चुनावी तैयारियों का जायजा लेगा। प्रतिनिधिमंडल से छह राष्ट्रीय पार्टियों, भाजपा, कांग्रेस, माकपा, आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और क्षेत्रीय पार्टी व राज्य की सत्ता पर काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के नेताओं ने आयोग के समक्ष अपनी बात रखी। आयोग ने विभिनन केंद्रीय एजेंसियों के साथ बैठक की है, ताकि चुनाव से पूर्व और दौरान पारदर्शिता और धन शोधन सरीखी गतिविधियों को नियंत्रण में रखा जा सके। आयोग मंगलवार को पुलिस और प्रशासन के साथ चुनावी तैयारियों का जायजा लेगा। और इसके बाद एक मीडिया संवाद होगा। इस दौरे के बाद आयोग अक्तूबर में चुनाव की तारीखों का एलान कर देगा।

## ममता बनर्जी पैसे से सभी को खरीदना चाहती हैं', भाजपा नेता ने टीएमसी पर लगाए आरोप

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में अबतक आरजी कर कॉलेज-अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष समेत तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई ने कुछ दिन पहले संदीप घोष के करीबी बिरुपाक्ष बिस्वास से पूछताछ की। उन पर विभिनन अस्पतालों के जूनियर डॉक्टरों को डराने-धमकाने का आरोप लगाया गया था। इसके अलावा उन्होंने सोमवार को टीएमसी नेता निर्मल घोष को भी सीबीआई कार्यालय बुलाया था। टीएमसी नेता पर मृतक की जल्दबाजी में अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना नौ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की सनतकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। आठ अगस्त को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के दूसरे दिन सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नगन अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए।

गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई ने कुछ दिन पहले संदीप घोष के करीबी बिरुपाक्ष बिस्वास से पूछताछ की। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल मामले में भाजपा नेता दिलीप घोष ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को घेरा। उन्होंने टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे सभी को खरीदना चाहते हैं। भाजपा नेता ने टीएमसी पर मृतक डॉक्टर के परिवार को पैसे देकर मुंह बंद करवाने का भी आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए दिलीप घोष ने कहा, ठवे (टीएमसी और ममता बनर्जी) सभी को खरीदना चाहते है। वे पैसे देकर वोट खरीदते हैं। उन्होंने मृतक डॉक्टर के परिजनों को भी पैसे देकर मुंह बंद करवाने की कोशिश की। हालांकि, यह अच्छा हुआ कि परिवार वालों ने पैसे स्वीकार नहीं किए।ठबता दें कि फिलहाल सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में अबतक आरजी कर कॉलेज-अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष समेत तीन

## एक सप्ताह की देरी से मानसून की विदाई का दौर शुरू, पांच उपमंडल में हुई कम बारिश

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** मानसून अब विदाई लेने लगा है। यही वजह है कि आजकल कुछ राज्यों में जहां बारिश हो रही है, वहीं कुछ राज्यों में बारिश होने का सिलसिला थम सा गया है। देश में मानसून अब अपने अंतिम दौर में आ पहुंचा है। मानसून की वापसी का अनुमान लगाया गया

है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिण पश्चिम मानसून की पश्चिमी राजस्थान और कच्छ से वापसी शुरू हो गई है। इस बार मानसून एक सप्ताह की देरी से विदाई ले रहा है। वहीं खास बात यह है कि इस बार मानसून सीजन में देश में पांच फीसदी अधिक बारिश हुई है।मानसून अब विदाई लेने लगा है। यही वजह है कि आजकल कुछ राज्यों में जहां बारिश हो रही है वहीं कुछ राज्यों में बारिश होने का सिलसिला थम सा गया है। हालांकि जिन राज्यों में अभी भी लगातार बारिश का दौर जारी है वहां नदी-नाले उफान पर आने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और जिन राज्यों में बारिश नहीं हो रही है वहां लोग गर्मी और उमस से बेहाल हैं। ऐसे में मौसम विभाग ने देश के कुछ राज्यों में बारिश होने की संभावना जताई है। चलिए जान लेते हैं कि देश के किन राज्यों में आज मौसम का हाल कैसा रहने वाला है। आईएमडी के अनुसार, एक जून को केरल के तट पर दस्तक देने वाले मानसून की 17 सितंबर से वापसी शुरू हो जाती है, लेकिन इस साल राजस्थान और कच्छ के कुछ हिस्सों से 23 सितंबर को वापसी शुरू हुई है। ऐसे में इस बार मानसून एक सप्ताह की देरी से विदाई ले रहा है। अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम राजस्थान के कुछ अन्य हिस्सों और पंजाब, हरियाणा और गुजरात के आसपास के क्षेत्रों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विभाग के 36 उपमंडलों में से पांच में कम और नौ में अधिक बारिश हुई है। बता दें, जम्मू कश्मीर में 26 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 20 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 30 प्रतिशत, बिहार में 28 प्रतिशत और पंजाब में 27 प्रतिशत कम बारिश हुई। वहीं, राजस्थान (74 प्रतिशत), गुजरात (68 प्रतिशत), महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तटीय आंध्र प्रदेश में अधिक बारिश हुई। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून को केरल पहुंचता है और जुलाई के पहले सप्ताह तक पूरे देश में फैल जाता है। यह सितंबर के मध्य से उत्तर-पश्चिम भारत से विदाई लेना शुरू कर देता है। 15 अक्तूबर तक पूरी तरह से वापस हो जाता है।इस मौसम में, देश में सामान्य 837.7 मिमी के मुकाबले एक जून से 23 सितंबर के बीच 880.8 मिमी बारिश हुई है।

## शिक्षक नियुक्ति में देरी के खिलाफ प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई निंदनीय', सुवेंदु अधिकारी ने दिया समर्थन

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**
**नई दिल्ली।** भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उच्च प्राथमिक उम्मीदवार पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर जा रहे थे ताकि जवाब मांग सकें कि कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिए जाने बाद भी एसएससी नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में समय क्यों बर्बाद कर रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने नियुक्ति प्रक्रिया में देरी को लेकर प्रदर्शन कर रहे उच्च प्राथमिक उम्मीदवारों पर कथित पुलिस कार्रवाई की निंदा की। इस दौरान भाजपा नेता ने उच्च प्राथमिक उम्मीदवारों की काउंसलिंग और निर्धारित समय अवधि के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की मांग का समर्थन किया। भाजपा नेता ने कहा कि उच्च प्राथमिक उम्मीदवार पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर जा रहे थे ताकि जवाब मांग सकें कि कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिए जाने बाद भी एसएससी नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में समय क्यों बर्बाद कर रहा है। हाईकोर्ट ने एसएससी को राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित सहायता प्राप्त अपर प्राइमरी स्कूलों में

सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर जा रहे अपर प्राइमरी उम्मीदवारों पर पुलिस की क्रूर कार्रवाई की कड़ी निंदा करता हूं। वे जवाब मांग रहे थे कि एसएससी नियुक्ति प्रक्रिया के बारे में जानबूझकर समय क्यों बर्बाद कर रहा है, जबकि कलकत्ता सहायक शिक्षकों के रूप में उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रक्रिया 12 सप्ताह के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि वे एक दशक से आंदोलन कर रहे हैं। मैं तत्काल काउंसलिंग और निर्धारित समय अवधि के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की उनकी वैध मांग का समर्थन करता हूं।इससे पहले दिन में, पुलिस ने कोलकाता के साल्ट लेक में विरोध प्रदर्शन कर रहे कई अपर प्राइमरी शिक्षक उम्मीदवारों को हिरासत में लिया। इस बीच, कोलकाता हाईकोर्ट ने शिक्षकों की नियुक्ति सूची जारी करने का आदेश दिया, जिससे संभावित रूप से 14000 उम्मीदवारों को लाभ मिलेगा। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और पार्थसारथी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ द्वारा घोषित न्यायालय के निणय में विद्यालय सेवा आयोग को चार सप्ताह के भीतर अंतिम सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया गया है। प्रकाशन के बाद काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। न्यायालय के इस निणय से शिक्षक नियुक्तियों से संबंधित नौ वर्ष पुराने मुद्दे के सुलझने की उम्मीद है। वकील फिरदौस शमीम ने बताया कि विद्यालय सेवा आयोग ने पहले अपडेट किए गए साक्षात्कार ओएमआर सीटों में त्रुटियों का दावा करते हुए 1463 उम्मीदवारों के चयन को अमान्य कर दिया था।

## मिर्ज़ापुर

# नाबालिक दलित युवक के साथ और प्राकृतिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया, पड़ोस का रहने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** चोपन थाना क्षेत्र मे रहने वाले एक नाबालिग युवक के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश मेआया है। जहां पड़ोस में रहने वाले समुदाय विशेष युवक पर पड़ोस के ही एक नाबालिक युवक को जंगल ले जाकर कुकर्म करने का आरोप लगा है। बात इतनी ही नहीं है आरोपी के द्वारा घटना को अंजाम देने के बाद पीड़ित को गाली गलौज के साथ धमकी देने का भी आरोप लगा है मिली जानकारी के अनुसार पड़ोस के आरोपी की शराफत शाह पुत्र सरताज शाह ने पहले पीड़ित को अपने पास बुलाया फिर किसी बहाने से जंगल ले गया और फिर उसके साथ कुकर्म की घटना को अंजाम दिया।जब पीड़ित वापस घर आया तो अपने पूरा घटना को बताया तो मामले की जान कारी होते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। गुरुवार को पीड़ित के पिता ने चोपन थाने पर लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। वही चोपन पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए पीड़ित के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पूरे घटनाक्रम पर एडिशनल एसपी का ऑपरेशन कालू सिंह ने बताया कि गुरुवार को आवेदक द्वारा एक प्रार्थना पत्र दिया गया जिसमें उसने अपने 15 वर्षी पुत्र के साथ अपने पड़ोसी शराफत साहब द्वारा बीते बुधवार को जंगल में ले जाकर दुष्कर्म के संबंध में अवगत कराया। इसकी सूचना पर थाना चोपन जिसके आधार पर मद अद सद196 /24 थारा 352/ 351(3)ॅए व 3/4(2) पास्को एक्ट व 3(2)5,3(1) द,3(1) द एससी एसटी एक्ट बनाम सराफत शाह पुत्र सिरताज के पंजीकृत किया गया अभियुक्त को गिरफ्तार करके विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## पुलिस के आश्वासन के बाद धरना किया समाप्त

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**शक्तिनगर।** एनसीएल कृष्णशीला महाप्रबंधक कार्यालय के गेट के समक्ष क्षेत्र के तीन प्रधानों की अगुवाई में शुक्रवार कों सैकड़ो लोगों ने ओबी कंपनी के मजदूरों के साथ हो रहे शोषण के खिलाफ जमकर नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। आरोप लगाया की कृष्णशिला खदान में कार्य कर रही ओबी कंपनी कें मजदूरों कों महीने में 15-20 हाजिरी दी जा रही है। जिससे

मजदूरों कों घर परिवार चलाने में समस्या हों रही है। धरने पर बैठे प्रधानों व आक्रोशित लोगों कों बीना चौकी प्रभारी संजय कुमार सिंह व पारियोंजना स्टॉफ अधिकारी प्रवीण मिश्रा नें किसी प्रकार समझा बुझा कर शांत कराया।आश्वासन दिया की मामले की जाँच शक्तिनगर थाना प्रभारी द्वारा की जा रही है। साक्ष्य प्रस्तुत कें बाद कारवाई करने का भी आश्वासन दिया। तब जाकर लोग धरना समाप्त किया।

## सोनभद्र

# धूमधाम से मना सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देवजी जोति पर्व मना

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** रावटसगंज नगर स्थित गुरुद्वारा सभा घर में शुक्रवार को सिख समुदाय द्वारा बेहद की गुरुद्वारे की संगत गुरु पर्व की तैयारियों में जुटी हुई दिखाई दी।गुरु नानक जयंती को गुरु पर्व, प्रकाश पर्व, गुरु पूरब कहा जाता है। इस

धूमधाम से सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देवजी के जोति पर्व मनाया गया। गुरुद्वारों में तैयारियां जोरों पर हैं। कहीं पर गुलाब के फूलों से गुरुद्वारा साहिब सजाया जा रहा है तो कहीं आकर्षक लाइटिंग की गई है। रविवार से तीन दिनों के अखंड पाठ की भी शुरुआत कर दी गई। इस साल प्रकाश पर्व को लेकर लोगों में उत्साह दोगुना हो गया है। क्योंकि दो साल बाद कोरोना गाइडलाइन की पाबंदियों को हटा दिया गया है। ऐसे में दिन सिखों के पहले गुरु गुरुनानक देव जी का जन्म हुआ था। प्रकाश पर्व हर साल गुरुनानक देव जी ने ही सिख धर्म की स्थापना की थी। इस दिन सिख समुदाय के लिए लोग सुबह प्रभात फेरी निकालते हैं। गुरुद्वारे जाकर मत्था टेकते हैं व कीर्तन करते हैं। इस मौके पर अजीत सिंह भंडारी-दया सिंह- गुरविंदरसिंह भंडारीञबलविंदरसिंहञ्दविंदर सिंह भंडारीचरणजीत सिंह भंडारी बिशनसिंह परब्रह्म सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

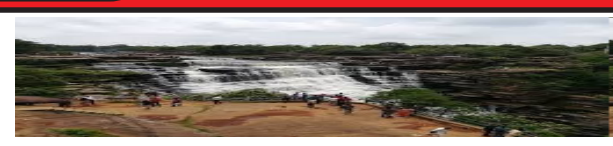

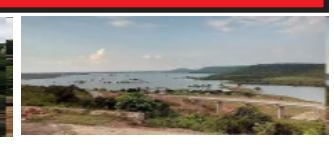

# विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित हुई गोष्ठी वक्ताओं ने डाला प्रकाश

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** विश्व पर्यटन दिवस पर शुक्रवार को गुप्त काशी सेवा ट्रस्ट द्वारा गुप्त काशी सेवा ट्रस्ट के कार्यालय पर संगोष्ठी का आयोजन ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश चौबे के अध्यक्षता में किया गया । संगोष्ठी में जिले के प्रबुद्ध, लेखक, इतिहासकार, शिक्षक, अधिवक्ता एवं प्रकृति प्रेमी उपस्थित होकर सोनभद्र के पर्यटन विकास हेतु अपने-अपने विचार व्यक्त कर सुझाव दिया । संगोष्ठी में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य ओम प्रकाश त्रिपाठी ने गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सोनभद्र आने वाले समय में पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनेगा और यहां के युवाओं को रोजगार प्रदान करेगा । संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व शिक्षक लेखक कवि पारसनाथ मिश्र ने कहा कि गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट में जिस प्रकार से सोनभद्र के प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थलों को चिन्हित किया है आज तक मैं स्वयं भी इन स्थलों के बारे में नहीं जान पाया गुप्त काशी सेवा ट्रस्ट का यह प्रयास बहुत ही काबिले तारीफ है एवं उनके अभियान में हमारा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन सदैव रहेगा । गोष्ठी को संबोधित करते हुए जनपद के वरिष्ठ इतिहासकार दीपक केशरवानी ने बताया कि सोनभद्र गुफा चित्र जो हजारों वर्ष पुराने हैं उनका संरक्षण एवं संवर्धन कर दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है जिससे सोनभद्र पर्यटन का विकास होगा । संगोष्ठी में वरिष्ठ अधिवक्ता समाजसेवी राकेश शरण मिश्रा ने कहा कि सोनभद्र के प्रमुख स्थलों व बाहरी पर्यटकों के सुख सुविधा एवं सुरक्षा की व्यवस्था शासन स्तर से हो जाने पर यहां भारी मात्रा में बाहरी पर्यटक आकर्षित होकर आएंगे जिससे यहां के लोगों को रोजगार और पर्यटन विकास होगा । संगोष्टी को संबोधित करते हुए अश्वनी सिंह ने कहा कि सोनभद्र को एक पर्यटन के रूप में विकसित करने की अपार संभावना है एवं जन जागरण कर उन सभी स्थलों को संरक्षित करना गुप्त काशी सेवा ट्रस्ट के साथ हम सब की जिम्मेदारी है । संगोष्टी को गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संपादकीय प्रमुख धर्मेंद्र कुमार राजू पांडे ,शिक्षक एवं लेखक बीके महादेव, युटुबर हेमंत मोहन ,डा रूबी गुप्ता ने भी अपने-अपने विचार रखते हुए सोनभद्र पर्यटन विकास की संभावनाओं के बारे में सुझाव दिए । बैठक में राजू चौबे राकेश देव पांडे अजय गुप्ता दिनेश सिंह राकेश राय विकास दुबे सहित जनपद के प्रसिद्ध प्रेमी एवं गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के सदस्य गण उपस्थित रहे । गोष्ठी का संचालन राजेश अग्रहरी ने किया।

# विश्व मांगल्य सभा के बैनर तले मातृशक्ति की हुई बैठक

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपूर्ण भारत सहित कुल 17 देशों में मातृत्व के भाव को सशक्त बनाने का कार्य करने वाले संगठन विश्व मांगल्य सभा के बैनर तले आज़

सोनभद्र जिला मुख्यालय पर मातृशक्ति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्व मांगल्य सभा काशी प्रांत की सचिव किरन गोरे ने संगठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश व समाज के उत्थान के लिए मातृत्व शक्ति का मजबूत होना आवश्यक है। गोरे ने माताओं बहनों को संस्कार, सेवा, सदाचार से खुद को सामर्थ्यवान बनाने की अपील किया। बैठक को संबोधित करते हुए विश्व मांगल्य सभा काशी प्रांत की संयोजिका डाक्टर भारती मिश्रा ने बच्चों में बचपन से ही संस्कारों का संचार करने के महत्व को बताते हुए कहा कि बच्चों के अच्छे संस्कार से देश व समाज का उत्थान तो होता ही है साथ ही घर परिवार भी उन्नति करता है। डाक्टर भारती मिश्रा ने बच्चों को धर्म और संस्कार पर चिंता जताते हुए उपस्थित माताओं बहनों से खुद को भारतीय संस्कृति के अनुसार ढालने की अपील किया। सुनीति शुक्ला ने कहा कि पहले घरों में कार्य करने वाली महिलाएं खुद को गृहणी बतातीं थीं जो अब हाउस वाइफ बतातीं हैं। श्री शुक्ला ने बताया कि घर जिसका ऋणी होता है उसे गृहणी कहते हैं। विश्व मांगल्य सभा काशी महानगर सह सचिव पुष्पा दीक्षित ने बैठक में उपस्थित मातृशक्ति को धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक का संचालन आरती पाण्डेय ने किया, इस मौके पर आशा सिंह, रागिनी देवी, सरिता देवी, प्रीति, तारा, मनचली, संध्या कुमारी, अनामिका, सुमन, कुमकुम, कृतिका, नेहा, शशिबाला, वंदना यादव, गीता, निशा, सरिता, नेहा, काजल, प्रतिमा वर्तिका पाण्डेय सहित सैकड़ों माताओं बहनों ने भाग लिया।

# श्रीराम सुन्दरकाण्ड जनसेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एक निजी होटल में किया पत्रकार वार्ता

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** पूरे देश में श्रीराम सुन्दर

कांड के माध्यम से जन जागरण करना वेरोजगार लोगों को रोज?गार देना आर्थिक रूप से लोगो को जोडना विकलाक, विधवा, महिलाओं को श्रीराम सुदा धाम के माध्यम से सेवा करना.स्वास्थ्य व क्षेत्र में काम अभी सात राज्यों में प्रत्यक्ष ,अप्रत्यक्ष रूप से संस्था काम कर रही है व शिक्षा के खेल में कार्य करना किसानों की आल निर्भर बनाना महिलाओ को खरेलु उद्योग का अवसर प्रदान करना हमारा संस्था उपलब्ध करा रही है।इतना ही नही इस संस्था में काम करने के लिए लड़की लड़कियों की आवश्यकता है जिसमे काम को देखते हुए सैलरी भी दिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि जल्द सोनभद्र में भी इसके आफिस खुकने जा रहा है नवरात्र के बाद आफिस खोल दिया जाएग।श्रीराम सुंदर कांड जनसेवा समिति के संगठन मंत्री लालमनि पाल,जिला उपाध्यक्ष गगेश्वर त्रिपाठी,जिला संरक्षक जय प्रकाश दुबे,जिला अध्यक्ष गोपाल चौबे रहे उपस्थित।इस संस्था से जुड़े लोग अपना अपना टीम बना रहे हैं।

# जब महिला समृद्ध होती है तो दुनिया समृद्ध होती है-सविता सरोज

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं / बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में करने के उद्देश्य से "मिशन शक्तिञ्ज अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपदीय पुलिस के समस्त थानों की एंटी रोमियो

जागरुक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/ आत्मविश्वास की भावना जागृत टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों/ बीटों/स्कूल/कॉलेज, कोचिंग संस्थानों, मंदिरों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओ/ बलिकाओं से संवाद कर उन्हें महिलाओं की सुरक्षा हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे- वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने-अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया । वहीं महिला थाना प्रभारी निरीक्षक सविता सरोज ने बताया कि वर्तमान समय मे हो रहे विभिन्न तरीकों के साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गयी । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके ।

# मो नूर अहमद की कांग्रेसियों ने मनाई श्रद्धांजलि सभा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** ओबरा नगर कॉग्रेस पूर्व अध्यक्ष रहे मो नूर अहमद को शुक्रवार को श्रद्धांजलि पूर्व पीसीसी सदस्य नूरूद्दिन खान के आवास पर आयोजित की गई, इस दौरान नूरूद्दिन खान ने कहा की नूर भाई एक अच्छे कॉग्रेस सिपाही थे, उन्होंने हमेशा गरीब, बंचित लोगों के लिए संघर्ष करते रहे, एक सच्चे सिपाही की कमी हमेशा खलेगी, सेवा दल जिला अध्यक्ष कौशलेश पाठक ने कहा की नूर भाई फुटबाल संघ के जिला अध्यक्ष थे, और खेल जगत मे भी उनका प्रयास अतुलनीय था! शोक व्यक्त करने वालो मे महिला कॉग्रेस अध्यक्ष ऊषा चौबे, ब्लॉक अध्यक्ष कॉग्रेस अमरेश देव पांडे, शत्रुंजय मिश्रा, अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव सिराज हुसैन, मृदुल मिश्रा, संतोष नागर, शिव पूजन विश्वकर्मा, पंकज मिश्रा सहित तमाम कॉग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# अपर मुख्य सचिव का डीआईओएस की लापरवाही को लेकर मंडलायुक्त को सख्त निर्देश

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**मिर्जापुर।** शिक्षा विभाग इस समय काफी लचर स्थिति से गुजर रहा है इसके जिम्मेदार खुद जिले के उच्चाधिकारी ही है। पिछले 2 साल से भ्रष्टाचार में लिप्त किसान इंटर कालेज राजगढ़ के प्रबंधक व? प्रबंध समिति पर आज तक जिला विद्यालय निरीक्षक या संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वारा कोई सही जांच या कार्यवाही नहीं की गयी है। तमाम शिकायत होने पर सिर्फ खानापूर्ति के लिए मनगढ़ंत आख्या लगाकर खाली हो जाते हैं लेकिन इस बार जरा मामला टेढ़ा हो गया है। गलत आख्या व प्रबंधक के संरक्षण में लग रही आख्या पर अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव सख्त हो गये है उन्होंने मंडलायुक्त मुथुकुमार स्वामी को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक राज कुमार दीक्षित की आख्या सरासर झूठी लगाई गयी है,इस प्रकरण की पुरी जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक व उनके कार्यालय के है फिर भी प्रबंधक को बचाने के लिए मनगढ़ंत आख्या लगाई जा रही है जो कि निंदनीय है। एसडीएम मडी हान द्वारा जांच रिपोर्ट डीआईओएस को भेजी गई थी जिसमें साफ साफ लिखा है कि जिस जमीन पर किसान इंटर कालेज प्रबंधक निर्माण कर दुकानों का एग्रीमेंट कर रहे हैं वो अन्य अर्थात किसान महाविद्यालय के नाम दर्ज है ऐसा पाया गया है और जो निर्माण हुआ है वो अवैध है फिर भी जिला विद्यालय निरीक्षक राज कुमार दीक्षित प्रबंधक को संरक्षण दिए जा रहे हैं, पिछले डीआईओएस अमरनाथ सिंह भी यही कर रहे थे,क्या सरकार की यही व्यवस्था है। मंडलायुक्त को इस तरह का आदेश दिया गया है। मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि इस प्रकरण में तत्काल कार्यवाही कर अवगत कराए? तो उधर जिलाधिकारी ने फिर जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया है कि तत्काल कार्यवाही कर अवगत कराएं। अब यह देखना होगा कि क्या अब भी जिला विद्यालय निरीक्षक वहीं फजी मनगढ़ंत आख्या लगाते हैं या कार्यवाही का आदेश करते हुए सही आख्या लगाते हैं और अपर मुख्य सचिव के निर्देशों का पालन करते हैं।

# धूमधाम से मनाया जाएगा रामलीला का पर्व

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** रावटसगंज रामलीला मैदान सभागार में बुधवार देर श्याम समय में होने वाली रामलीला को सुचारू तथा व्यवस्थित रूप से करने के स्वरूप समिति के संरक्षक जितेंद्र निभाने का कार्य किया जाएगा इस मौके पर कृपा शंकर जयसवाल राकेश गुप्ता आनंद मिश्रा हर्ष

रामलीला समिति के सदस्यों द्वारा बैठक आयोजित की गई जिसमें श्री राम लीला समिति की अध्यक्षता कर रहे पवन कुमार जैन ने बताया कि विगत वर्ष 2023 24 के आरबीआई तथा अन्य कार्यक्रम की सूचना बैठक के माध्यम से समझ रूप से प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा पढ़कर सुनाया गया तथा आगामी सिंह द्वारा विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मत से होने वाली रामलीला को सफल बनाने हेतु समर्थन दिया गया जिसमें संबंधित पदाधिकारी को दी गई जिम्मेदारियां को पूर्ण करते हुए आगामी होने वाली रामलीला पर्व को बेहतर तरीके से मनाया जाए जिस पर हम भूमिका अग्रवाल रमेश सिंह सुशील पाठक धर्मवीर तिवारी कृष्ण मुरारी गुप्ता किशोरी सिंह घनश्याम चंद्रमा नरेंद्र गर्ग रविंद्र केसरी रमेश जायसवाल गणेश अग्रवाल आशीष अग्रवाल पवन जैन राजेश जायसवाल शंकर द्विवेदी धर्मराज विनोद कनोडिया सहित आदि लोग मौजूद रहे।

# नाबालिक लड़की को भगाने का आरोप

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**शक्तिनगर।** बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की नाबालिक लड़की को भगाने का आरोप एक राज मिस्त्री पर परिजनों ने लगाया है। जिसकी शिकायत नाबालिक लड़की की माता ने पुलिस से की है। आरोप लगाया कि एक शादीशुदा अधेड़ ने लगभग 13 साल की पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले गया। परिजनों के मुताबिक गुरुवार रात लगभग 9:00 बजे की घटना बताई जा रही है। बताया कि अधेड़ क्षेत्र में राजमिस्त्री का काम करता है साथ में नाबालिक पुत्री भी काम कर रही थी जिससे प्रेम जाल में फंसा कर उसे भगा ले गया। बीना चौकी प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है।जांच की जा रही है।

# मिनी केंद्र से उच्चकों नें उड़ाया २८ हजार, मुकदमा दर्ज

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**शक्तिनगर।** थाना अंतर्गत खड़िया चौराहे के समीप यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एक मिनी केंद्र में काउंटर पर बैठी एक युवती से धोखे से 28 हजार रुपए लेकर दो युवक फरार होने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई केंद्र संचालिका गीता राय के तहरीर पर दो अज्ञात युवक के खिलाफ दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिक यूबी के मिनी सेवा केंद्र में एक प् युवती काउंटर पर बैठी हुई थी कि दो युवक आए और बी सीरीज के नोट लेने के बहाने 28 हजार रुपए पीछे के जेब में रखकर गायब हो गए।हौसला बुलंद उच्चकों नें अपने हाथ से कैश काउंटर में रखे पांच सौ के गड्डी नोट से बी सीरीज के नोट खोजने के बहाने युवती कों भर्मित करते रहे। थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह नें बताया की मामले में मुकदमा दर्ज कर सीसी टीवी फुटेज के आधार पर फरार युवकों की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है।जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

# विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक अक्टूबर से ग्यारह तक चलेगा

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**सोनभद्र।** विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के

तृतीय चरण के सफल संचालन हेतु अर्न्तविभागीय समन्वय समिति की प्रथम बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। 1-31 अक्टूबर, 2024 तक संचारी अभियान तथा दिनांकः 11-31 अक्टूबर, 2024 तक दस्तक अभियान चलाया जायेगा। नवीन घटक के रूप में आशा द्वारा नान कम्युनिकेबल डिजीज के 30 वर्ष के ऊपर के 5 पात्र व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए सी बैक फार्म पूर्ण किया जायेगा। साथ ही ई-कवच पोर्टल पर रोगियों की लिस्ट अपडेट की जायेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अश्वनी कुमार द्वारा संचारी अभियान पर विस्तृत चर्चा करते हुए सभी विभागों को ससमय माइक्रोप्लान बनाने व माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। अभियान में शामिल समस्त विभागों को पी0पी0टी0 के माध्यम से उनके कार्य दायित्व से अवगत कराया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के समस्त अपर/ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कार्यालय जिला मलेरिया अधिकारी के समस्त अधिकारी / कर्मचारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी तथा अन्य समस्त विभागों के अधिकारी / कर्मचारी मौजूद रहे।

# स्पोर्ट्स

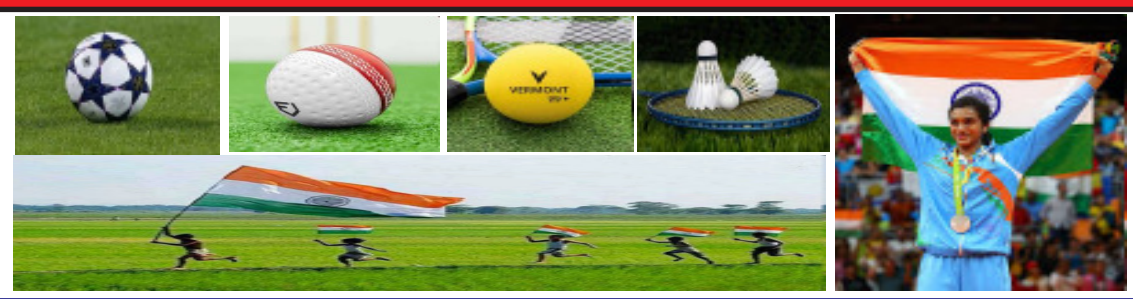

## रोहित शर्मा से लेकर मैक्सवेल तक, इन पांच बड़े सुपरस्टार्स को रिलीज कर सकती है उनकी फ्रेंचाइजी

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों के लिए रिटेंशन और रिलीज को लेकर दिशानिर्देश जारी नहीं किए हैं। हालांकि, लगभग सभी टीमें इसको लेकर लिस्ट बनाना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले मीडिया रिपोर्ट्स में चेनन्ई सुपर किंग्स को लेकर खुलासा हुआ था। इसमें कहा गया था कि सीएसके ने लिस्ट पहले ही तैयार कर ली है और वह एमएस धोनी को रिटेन करने जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई राइट टू मैच कार्ड समेत अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति देगा। हालांकि, कुछ टीमें आठ खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं। आम तौर पर जब आईपीएल में मेगा ऑक्शन होता है तो कोई भी टीम पूरी तरह से बदल जाती है। पिछली बार मेगा ऑक्शन में चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत थी। हालांकि, इस बार अब तक यह संख्या तय नहीं हो सकी है। अगर एक फ्रेंचाइजी को पांच-छह खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी जाती है तो कई शीर्ष नामों को रिलीज किया जा सकता है। हम पांच बड़े क्रिकेट सुपरस्टार्स पर एक नजर डालते हैं, जिन्हें मेगा ऑक्शन से पहले उनके संबंधित फ्रेंचाइजी द्वारा रिलीज किया जा सकता है-सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस पर है। उनके पास रिटेन करने को लेकर कई खिलाड़ी हैं। इनमें हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, टिम डेविड और रोहित शर्मा जैसे कई स्टार हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी रोहित को रिटेन करेगी या नहीं, इसको लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मुंबई इंडियंस के साथ हिटमैन का विवाद किसी से छिपा नहीं है।







आईपीएल 2024 सीजन से पहले फ्रेंचाइजी ने उन्हें बतौर कप्तान हटा दिया था। हार्दिक पांड्या टीम के नए कप्तान बने और इससे फैंस काफी नाराज हुए थे। इस फैसले की फैंस के साथ साथ पूर्व क्रिकेटरों ने भी खूब आलोचना की थी। वहीं, रोहित और उनकी पत्नी रितिका भी काफी नाराज थे। अभिषेक नायर के साथ लीक हुई बातचीत में, रोहित को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि 2024 सीजन उनका आखिरी था। रोहित की ब्रांड वैल्यू को देखते हुए अगर वह ऑक्शन पूल में आते हैं, तो उनके पास दावेदारों की कमी नहीं होगी। यह अब कोई रहस्य नहीं है कि लखनऊ सुपरजाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका एक नया कप्तान चाहते हैं। भले ही राहुल को एलएसजी द्वारा बनाए रखा जाता है, जिसकी संभावना इस समय न्यूनतम है, लेकिन वह टीम में रिटेन होने वाले पहले खिलाड़ी तो नहीं होंगे। राहुल को पहले विकल्प के रूप में रिटेन करने का मतलब होगा कि अगर टीम की राशि बढ़ा दी जाती है तो 18 से 20 करोड़ रुपये की राशि नीलामी के खर्च से काट ली जाएगी। कोई भी फ्रेंचाइजी जो मौजूदा समय में शीर्ष स्थान पर एक्स फैक्टर खिलाडियों को देख रही है और वह राहुल पर इतना निवेश नहीं करेगी। हालांकि राहुल ने आईपीएल का अगला सीजन लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम में रहकर ही खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने हाल ही में लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका से मुलाकात की थी और उन्हें रिटेन किए जाने को लेकर अपनी मंशा व्यक्त की है। हालांकि, एलएसजी के बॉस ने उन्हें रिटेन किए जाने को लेकर ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया है। टीम इंडिया के पूर्व उप कप्तान राहुल अब टी20 प्रारूप में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। राहुल ने एलएसजी को पहले दो आईपीएल सीजन (2022 और 2023) में प्ले-ऑफ में पहुंचाया, लेकिन इसमें उनके योगदान से ज्यादा गौतम गंभीर की मेंटरशिप को कारण माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि 2024 में गंभीर के मेंटर से हटते ही लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम में लौट सकते हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसिस के लिए पिछला सीजन कुछ खास नहीं रहा था। उनके बल्ले से बिल्कुल भी रन नहीं निकले थे। पहले से ही 40 साल के हो चुके डुप्लेसिस को लेकर भी आरसीबी फ्रेंचाइजी संदेह में होगी। आईपीएल 2025 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन में आरसीबी की टीम अगले तीन साल तक टीम को फिर से नए सिरे से बनाने के लिए डुप्लेसिस को रिलीज कर सकती है। साथ ही किसी युवा कप्तान को ऑक्शन में खरीदकर, उसे जिम्मेदार सौंपी जा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम अगले सीजन में डिफेंडिंग चैंपियंस के तौर पर उतरेगी। टीम ने इस साल सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। हालांकि, टीम मैनेजमेंट से गंभीर-अभिषेक नायर के जाने के बाद टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती रिटेन होने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार करना है। इस लिस्ट में पहले से ही सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, मिचेल स्टार्क, श्रेयस अय्यर और फिल सॉल्ट जैसे कुछ मजबूत दावेदार दिख रहे हैं। ऐसे में पिछले साल टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को रिलीज किया जा सकता है। वेंकटेश विस्फोटक बल्लेबाजी कर सकते हैं और अगर उन्हें रिलीज किया जाता है, तो ऑक्शन में उन पर दूसरी फ्रेंचाइजी काफी खर्च कर सकती है। आईपीएल 2024 सीजन में ग्लेन मैक्सवेल का आरसीबी के लिए प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। लीग स्टेज में बेंगलुरु की टीम जब लगातार हार रही थी तो मैक्सवेल ने अचानक आईपीएल से ब्रेक ले लिया था। हालांकि, टीम के प्लेऑफ में पहुंचते ही मैक्सवेल ने वापसी कर ली। मैक्सवेल बड़े खिलाड़ी हैं, लेकिन एक दो सीजन को छोड़कर वह कभी अपनी टीम के लिए कुछ खास नहीं कर सके हैं।

## विराट कोहली के दिए बल्ले से कभी नहीं खेलूंगा', भारत के स्टार पेसर आकाश दीप ने क्यों दिया यह बयान

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला चेनन्ई में खेला गया। टीम इंडिया ने इस मैच में 280 रन से जीत हासिल की। इस मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप को विराट कोहली ने बल्ला गिफ्ट किया था। अब आकाश ने विराट से मिले तोहफे के पीछे की कहानी का खुलासा किया है। दरअसल, प्री-मैच कैंप के दौरान विराट ने आकाश दीप को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। आकाश विराट की आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा भी हैं। हाल ही में एक बातचीत में आकाश दीप ने उस क्षण को याद किया और कहा कि यह कोहली ने खुद उन्हें बल्ला उपहार में देने का फैसला किया था। आकाश ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा उपहार था और वह इससे कभी बल्लेबाजी नहीं करेंगे और वह इसे अपने कमरे में एक याद के रूप में रखेंगे। आकाश दीप ने टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत के दौरान कहा, 'विराट भैया ने खुद से बल्ला दिया था। उन्होंने मेरी बल्लेबाजी में कुछ देखा होगा। मैंने इसलिए कारण नहीं पूछा। वह मेरे पास आए और पूछा, 'बैट चाहिए तुझे?' विराट भैया से बल्ला कौन नहीं चाहेगा? वह एक लीजेंड हैं। मैं उनकी बातें सुनकर बहुत खुश हुआ और मुझे वह बल्ला चाहिए था। उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं बल्लेबाजी करते समय किस तरह का बल्ला इस्तेमाल करता हूं और मैं सिर्फ मुस्कुराया- मेरे पास शब्द नहीं थे।' आकाश ने कहा, 'फिर विराट भैया ने कहा, 'ये ले, रख ले ये बैट। मैं उस बल्ले से कभी नहीं खेलूंगा। यह विराट भैया का दिया एक बड़ा गिफ्ट है और मैं इसे अपने कमरे की दीवार पर एक याद के रूप में रखूंगा। यहां तक कि मैंने बल्ले पर उनका ऑटोग्राफ भी लिया था।' आकाश ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में लगातार दो गेंद में दो विकेट लिए थे, लेकिन हैट्रिक से चूक गए थे। आकाश को उनकी गेंदबाजी के लिए काफी तारीफ मिल रही है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने भी आकाश की प्रशंसा की और कहा कि जब यह दाएं हाथ का तेज गेंदबाज विदेशी परिस्थितियों में प्रदर्शन करेगा तो उनका प्रदर्शन कुछ बड़े गेंदबाजों की तरह होगा। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में शानदार डेब्यू के बाद, आकाश ने चेनन्ई में बांग्लादेश के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में प्लेइंग-11 में अपना स्थान बरकरार रखा। उन्होंने अपनी गति से कहर बरपाया और मैच के दूसरे दिन एक ही ओवर में दो विकेट लिए। मनोज ने कहा, 'जब आकाश दीप अंडर 23 से सीनियर टीम में आए, तो यह स्पष्ट था कि उनमें प्रतिभा है। उन्होंने उस प्रतिभा को प्रदर्शन में बदलने के लिए बहुत मेहनत की है और कुछ बड़ा हासिल करने के लिए आवश्यक सभी बलिदान किए हैं। वह कड़ी मेहनत करते हैं और मानसिक तौर पर स्थिर खिलाड़ी हैं।' मनोज तिवारी ने कहा, 'अभी तक उन्होंने भारतीय परिस्थितियों में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। कल्पना कीजिए, जब वह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका जैसे विदेशी परिस्थितियों में खेलेंगे, तो उनका प्रदर्शन उन्हें कुछ महान गेंदबाजों के बीच खड़ा कर देगा।' आकाश दीप बंगाल टीम से घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं और मनोज टीम में उनके साथी रह चुके हैं।

## बीसीसीआई अपेक्स काउंसिल की मीटिंग बुधवार को, नए सचिव की नियुक्ति शीर्ष परिषद के एजेंडे का हिस्सा नहीं

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अपेक्स काउंसिल की मीटिंग बुधवार को होगी। इस

दौरान बोर्ड के कामकाज से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा होगी। हालांकि, चौंकाने वाली बात यह है कि निवर्तमान सचिव जय शाह की जगह नए सचिव की नियुक्ति एजेंडे में शामिल नहीं है। पांच दिन में बेंगलुरु में होने वाली बोर्ड की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से पहले यह अपेक्स काउंसिल की आखिरी बैठक होगी। जय शाह के आईसीसी चेयरमैन के रूप में चुने जाने के बाद अब तक नए सचिव की नियुक्ति नहीं की गई है।हालांकि, वह आगामी एजीएम के दौरान बीसीसीआई सचिव के रूप में अपनी मौजूदा भूमिका से नहीं हटेंगे क्योंकि उन्हें एक दिसंबर से ही आईसीसी में अपना नया पद संभालना है, लेकिन नामांकन की प्रक्रिया पर चर्चा भी शीर्ष परिषद के एजेंडे में सूचीबद्ध आठ मदों का हिस्सा नहीं है जिसमें बायजू के मामले पर अपडेट शामिल है। बीसीसीआई का अपने पूर्व टाइटल प्रायोजक बायजू के साथ भुगतान निपटारे को लेकर विवाद है। इस एडटेक फर्म ने पिछले साल मार्च में बीसीसीआई के साथ अपना प्रायोजन करार समाप्त कर दिया था।

## टी20 विश्व कप के लिए आईसीसा ने लॉन्च किया थीम सॉन्ग

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** महिला टी20 विश्व कप 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को आगामी टूर्नामेंट का थीम सॉन्ग रिलीज किया। इस गाने का नाम

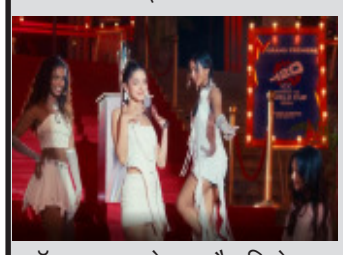

'व्हॉटएवर इट टेक्स' है, जिसे भारत के पहले महिला पॉप ने गाया है। इस गाने में भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स का हुक स्टेप भी शामिल किया गया है, जिसे वह अक्सर मैदान पर करती हैं। आईसीसी की तरफ से जारी की गई प्रेस रिलीज में बोर्ड के जनरल मेनेजर (मार्केटिंग और कम्यूनिकेशन) की तरफ से कहा गया कि आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 दुनिया की बेहतरीन खिलाड़ियों के निखरने का सबसे अच्छा स्टेज है। महिला क्रिकेट ग्लोबल स्टेज पर मजबूती से स्थापित है, और हमारा लक्ष्य आधिकारिक इवेंट गाने के लॉन्च के साथ इसकी मान्यता को और बढ़ाना है। ये गाना महिला क्रिकेटरों की आने वाली पीढ़ियों को प्रोत्साहित करेगा। वहीं, मशहुर पॉप बैंड गर्ल ग्रुप ने गाने के लॉन्च पर कहा कि उन्हें बहुत गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा- हमें यह बताते हुए बेहद गर्व हो रहा है कि एक ऑल-गर्ल्स ग्रुप के रूप में, हमने महिला टी20 विश्व कप के लिए आधिकारिक इवेंट गाना बनाया है।

## क्या मौजूदा समय में तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं बुमराह जानें स्मिथ का जवाब

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** भारत ने बांग्लादेश को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 280 रन से हरा दिया। इस जीत में भारतीय बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों की भूमिका भी अहम रही। दोनों पारियों में भारत को पहली सफलता जसप्रीत बुमराह ने दिलाई। पिछले कुछ समय से बुमराह लगातार टीम इंडिया के प्रमुख तेज गेंदबाज बने हुए हैं। अपने खास गेंदबाजी एक्शन की वजह से, यॉर्कर और गेंदों में घातक वेरिएशन की वजह से बुमराह को मौजूदा समय का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज माना जाता है। न सिर्फ टेस्ट, टी20 और वनडे में भी उनका कोई तोड़ नहीं है। भारत ने इसी साल टी20 विश्व कप में बुमराह के दम पर कुछ मैचों में गजब की वापसी की थी। लगातार इस बात को लेकर बहस रहती है कि क्या जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं? इस पर अब मौजूदा समय के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार स्टीव स्मिथ ने प्रतिक्रिया दी है। शायद ही गिने-चुने लोग होंगे जो बुमराह के क्रिकेट की दुनिया में कद को लेकर बहस करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज और फैब-फोर का हिस्सा स्टीव

स्मिथ से जब बुमराह को लेकर उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले इस तेज गेंदबाज की जमकर तारीफ की और इस भारतीय गेंदबाज को सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज करार दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो सीरीज जीती है। अगर भारत को लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराना है तो बुमराह पर काफी कुछ निर्भर होगा। ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल लेती पिचों पर बुमराह काफी अहम होंगे। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'वह एक अद्भुत तेज गेंदबाज हैं। चाहे मैं उनका सामना नई गेंद से करूं, थोड़ी पुरानी गेंद से करूं या पुरानी गेंद से करूं, बुमराह उन सभी के साथ अपनी स्किल में शानदार हैं। उन्हें पता है किस गेंद के साथ किस तरह की गेंदबाजी करनी है। वह शानदार गेंदबाज हैं और तीनों प्रारूपों में यकीनन सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। उनका सामना करना हमेशा से एक चुनौती रही है।' टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद विराट कोहली ने बुमराह को भारतीय क्रिकेट का 'कोहिनूर' करार दिया गया था। वहीं, हेड कोच गंभीर ने भी बुमराह की तारीफ में काफी कुछ कहा था। गंभीर ने कहा था, 'जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है और यह अच्छी बात है कि हम भारत में गेंदबाजों के बारे में बात कर रहे हैं। हम लंबे समय से बल्लेबाजों के प्रति जुनूनी रहे हैं।' 35 वर्षीय स्मिथ ने पिछली दो सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी का आगाज किया है और उनके भारत के खिलाफ भी ऐसा ही करने की उम्मीद है। उन्होंने अब तक 109 टेस्ट खेले हैं और वह भारत के खिलाफ सीरीज में 10,000 रन के आंकड़े को पार कर सकते हैं। दूसरी ओर बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने 37 मैचों में 20.51 की औसत से 164 विकेट चटकाए हैं।

## राशि फल

| | | | |
|---|---|---|---|
| आपका सामान्य रहने वाला है, स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा। आप किसी लंबी यात्रा आदि पर जा सकते हैं, वाहन आदि का उपयोग संभाल कर करें। | भागदौड़ से भरा रहेगा, आपका मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे, व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं। | आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा, कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। | आपका दिन अच्छा रहने वाला है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको उसमें सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ा । |
| कुछ परेशानियों भरा रह सकता है। आप व्यर्थ के वाद विवाद में फंस सकते हैं, कोई झूठा आरोप आप पर लग सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप कमजोरी महसूस करेंगे। | किसी अपने के व्यवहार के कारण परेशान हो सकते हैं। किसी संबंधी से बड़ा विवाद हो सकता है। आप स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। | आपका मन प्रसन्न रहेगा, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा। आपके स्वास्थ्य में लाभ होगा, आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर होंगे । | आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। नौकरी आदि का प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफल होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। परिवार में माता-पिता की स्वास्थ्य में लाभ होगा। |
| आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रह सकता है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं। | आपका दिन परेशानियों से भरा रहेगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार आदि में हानि उठानी पड़ सकती है। लंबी यात्रा पर जाएं, तो वाहन आदि का उपयोग संभलकर करें। | आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी, सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों और संबंधियों का आर्थिक रूप से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। | आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता परिवार के साथ आप किसी बड़े कार्य की योजना बना सकते हैं। |

## पाकिस्तान टीम के खराब हालातों के बीच बोर्ड ने बुलाई अहम बैठक, कोच कर्स्टन ने की तीन मांग

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान का हालिया प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप 2024 में टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। वहीं, हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें दो मैचों की टेस्ट सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान क्रिकेट में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। यही वजह है कि सोमवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक कनेक्शन कैंप का आयोजन किया। इसमें पाकिस्तान के चीफ मोहसिन नकवी के अलावा, टीम के मुख्य कोच,असिस्टेंट कोच और दिग्गज खिलाड़ी शामिल रहे। इस मीटिंग की समाप्ति के बाद पाकिस्तान टीम के सफेद गेंद प्रारूप के कोच गैरी कर्स्टन ने खिलाड़ियों से तीन मांग की।पाकिस्तान क्रिकेट पर बात करते हुए कर्स्टन ने कहा- मैं खिलाड़ियों से तीन महत्वपूर्ण

गुणों की मांग करता हूं। राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते समय उनके भीतर व्यावसायिकता, गौरव और एकता होनी चाहिए। बता दें कि, पाकिस्तान का हालिया प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले गए टी20 विश्व कप 2024 में टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। वहीं, हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें दो मैचों की टेस्ट सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा था। मीडिया रिपोर्ट्स में भी दावा किया गया कि, पाकिस्तान की टीम गुटों में बटी हुई दिख रही थी। कप्तान शान मसूद और शाहीन शाह अफरीदी के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। अब कर्स्टन ने कहा- आज इस कनेक्शन कैंप का हिस्सा बनना एक शानदार अनुभव था। मुझे लगता है कि इसके पीछे हमारा उद्देश्य टीम के लिए अपने उद्देश्यों को तय करना था। मुझे लगता है कि हम सभी इससे सहमत है कि पाकिस्तान की टीम सभी प्रारूपों में सफल हो। हम आज उन विभिनन चीजों पर चर्चा कर रहे है जो हमारी मदद कर सकती है। इसलिए मुझे लगता है कि टीम और खिलाड़ियों के पेशेवर स्तर के संदर्भ में एक चीज जिसके बारे में हमने बात की वह वास्तव में महत्वपूर्ण थी और मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ तरीके से पेश करना होगा और गौरव वापस लाना होगा।

# सम्पादकीय

## ग्रामीण भारत की सूरत बदलती कृषि, विकास के लिए सरकार देर रही उद्यमशीलता को बढ़ावा

तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार की स्थिरता पर संदेह प्रकट करने वालों को निराशा हाथ लगी है। पहले सौ दिनों में ही सरकार ने 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं को मंजूरी दी। सरकार का पूरा जोर सरकारी कामकाज के तरीके में बड़े सुधार और गुड गवर्नेंस को जमीनी स्तर तक ले जाने पर है।इसके लिए वह भूमि रिकार्ड से लेकर सरकारी कामकाज के डिजिटलीकरण पर फोकस कर रही है, ताकि योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचे। इसीलिए सरकारी योजनाओं की रूपरेखा तय करने, योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के साथ-साथ उसकी मानिटरिंग और नौकरशाही की जवाबदेही तय करने के लिए नए मानक निर्धारित किए गए हैं। सरकार के तीसरे कार्यकाल की जो उपलब्धियां आज दिख रही हैं, उसकी कवायद लोकसभा चुनाव घोषित होने के पहले से ही शुरू कर दी थी। इस साल फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों से कहा था कि वह अगले पांच साल का रोडमैप और सौ दिनों

का एक्शन प्लान बनाएं। एक्शन प्लान लागू करने के लिए सचिवों की दस समितियां बनाई गईं। सभी मंत्रालयों से रिपोर्ट मांगी गईं। राज्य सरकारों से भी सलाह ली गई। कारोबारियों, सिविल सोसायटी और युवाओं से भी सुझाव मांगे गए। इसके लिए दो हजार से अधिक बैठकें की गईं। इन सभी के निष्कर्ष से एक्शन प्लान का रोडमैप बना। सरकार कृषि क्षेत्र में उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग-धंधों का विकास हो। इसी को देखते हुए कृषि आधारभूत ढांचा फंड का विस्तार किया गया है। गत दिनों इसके तहत सात योजनाओं के लिए 14,200 करोड़ रुपये जारी किए गए। इसमें डिजिटल कृषि मिशन के लिए 2,817 करोड़ रुपये, फसल विज्ञान पर 3,979 करोड़ रुपये, कृषि शिक्षा एवं प्रबंधन को बेहतर करने के लिए 2,291 करोड़ रुपये और पशु स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये मुख्य हैं। सरकार कृषि क्षेत्र को डिजिटल बनाने की कवायद में भी जुटी है। इसके लिए अक्टूबर के पहले सप्ताह में देश भर में किसानों का पंजीकरण शुरू होगा। किसानों को आधार कार्ड की भांति एक विशेष पहचान पत्र दिया जाएगा, जिसकी सहायता से न्यूनतम समर्थन मूल्य से लेकर किसान क्रेडिट कार्ड जैसे कार्यक्रमों और योजनाओं तक उनकी पहुंच बनेगी। कार्ड होने से सरकार को भी योजनाएं बनाने, उनके क्रियान्वयन और विस्तार में सहायता मिलेगी। सरकार ने अगले साल मार्च तक पांच करोड़ किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य तय किया है। पहले सौ दिनों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की गई। इसके तहत 9.3 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य वाली सभी फसलों पर 100 से लेकर 550 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई। सरकार ने प्याज और बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाया, वहीं रिफाइंड तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाया, ताकि घरेलू तिलहनों को अच्छा मूल्य मिल सके। वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही मोदी सरकार ने दलहनी-तिलहनी फसलों एवं मोटे अनाजों के समर्थन मूल्य में भरपूर बढ़ोतरी की है। इसके बावजूद दलहनी-तिलहनी और मोटे अनाजों की सरकारी खरीद में अपेक्षित सुधार नहीं आया। इसका कारण है कि देश में सरकारी खरीद, भंडारण और विपणन का ढांचा गेहूं तथा धान जैसी चुनिंदा फसलों एवं इलाकों तक ही सिमटा है। अब सरकार दलहनी-तिलहनी और मोटे अनाजों की समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद, भंडारण एवं विपणन का देशव्यापी नेटवर्क बना रही है। इससे न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि अनाजों के केंद्रीकृत भंडारण पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी। इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की गई है, जिसके तहत प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के स्तर पर गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। इन गोदामों में स्थानीय उपज को भंडारित करके सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किया जाएगा। इस प्रकार खेती से लेकर थाली तक विविधता आएगी। सरकार नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति को भी अंतिम रूप दे रही है। इसके लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु की अध्यक्षता में 48 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में तीन लाख पैक्स का गठन करना है, जो अभी 65,000 हैं। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अनूठी पहल की है राज्य सरकार एक अक्टूबर से 31 दिसंबर तक मक्का, ज्वार और बाजरा की खरीद करेगी। इसके लिए किसानों का पंजीकरण शुरू हो चुका है। उपज की बिक्री का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खाते में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल पूरे देश के लिए नजीर बनेगी। इससे गेहूं-धान वाली सफलता मोटे अनाजों एवं दलहनी-तिलहनी फसलों में दोहराई जाएगी। गेहूं-धान जैसी चुनिंदा फसलों की खेती से आगे बढ़कर सरकार विविध फसलों की खेती और उन पर आधारित उद्योग-धंधों के विकास पर फोकस कर रही है। इसी को देखते हुए बागवानी क्षेत्र के विकास के लिए 860 करोड़ रुपये की योजना मंजूर की है। मछुआरों के कल्याण के लिए भी सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाया जा रहा है। आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश बन गया है। 2014 में जहां देश में हर साल 80 लाख टन मछली का उत्पादन होता था, वहीं आज भारत हर साल 170 लाख टन मछली का उत्पादन कर रहा है। इसी तरह पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के लिए भी सरकार राष्ट्रीय डेरी विकास कार्यक्रम चला रही है। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विविधीकरण से ही लगातार घाटे का सौदा बन रही छोटी जोतों को लाभकारी बनाया जा सकेगा।

# झूठे नैरेटिव से लड़ने में नाकाम भाजपा, राहुल के खिलाफ नहीं बना सकी माहौल

भारत का हर विवेकशील व्यक्ति हतप्रभ है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का हालिया वक्तव्य है कि अमेरिका में उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा और भाजपा उन्हें डराकर चुप कराना चाहती है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि क्या हमको ऐसा भारत नहीं चाहिए, जहां हर सिख बिना डरे अपने धर्म का पालन कर सके? कांग्रेस अमेरिका में दिए राहुल के वक्तव्यों के विरुद्ध कैबिनेट मंत्रियों और भाजपा नेताओं के

बयानों को उनके विरुद्ध हिंसा भड़काने वाला बताकर जगह-जगह प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और बयान दिया कि उन्होंने अपने साथियों के विरुद्ध कार्रवाई न करके एक प्रकार से समर्थन किया है। सामान्य स्थिति तो यही होती कि अमेरिका में राहुल ने जो कुछ कहा, जिनसे मिले, उसके विरुद्ध देश में प्रखर आक्रामकता दिखाई जाती। कोई नेता ऐसे भारत विरोधी बयान दे, जिनसे विभाजनकारी शक्तियों को बल मिले, जिसका लाभ खालिस्तानी और भारत विरोधी उठाएं, वह घोषित भारत विरोधियों से मिले तथा गलती स्वीकारने के बजाय इसकी आलोचना करने वालों का विरोध करे और उसे समर्थन भी मिले, यह किसी भी हालात में सामान्य स्थिति नहीं हो सकती। इसे ही कहते हैं इकोसिस्टम और नैरेटिव तंत्र की शक्ति।केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी को सबसे बड़ा आतंकी कहा या गिरिराज सिंह ने हमला किया। उनकी भाषा से हमारी असहमति होगी, किंतु ये सब प्रतिक्रियाएं राहुल के विभाजनकारी, उकसाऊ और भारत की विश्व में छवि नष्ट करने के व्यवहारों के विरुद्ध हैं। बड़ी संख्या में आम आदमी बातचीत में राहुल के बयान पर ऐसी ही गुस्सैल प्रतिक्रिया दे रहा है। आश्चर्य की बात है कि भाजपा इतने बड़े मुद्दे पर राहुल के खिलाफ माहौल नहीं बना सकी। इसके उलट उसके नेताओं और मंत्रियों का बयान कांग्रेस के लिए मुद्दा बन गया और वह जनता के बीच जा रही है कि ये लोग राहुल की हत्या करना चाहते हैं। यह तो उलटी दिशा में जलधारा को बहाना हुआ। भाजपा के पास इतनी क्षमता है कि वह इसे देशव्यापी मुद्दा बनाकर राहुल और कांग्रेस को रक्षात्मक होने या बयान वापस लेने के लिए विवश कर सकती थी। अगर जनता किसी नेता और पार्टी के विरुद्ध दिखने लगे, माहौल खिलाफ हो जाए तो उसके पास पीछे हटने के अलावा कोई चारा नहीं होता। राहुल अमेरिका में केवल इल्हान उमर जैसी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक से ही नहीं मिले। मुलाकातियों में व्हाइट हाउस में हमेशा भारत के विरुद्ध शरारत भरे प्रश्न करने वाले बांग्लादेशी पत्रकार से भी राहुल की मुलाकात हुई। यह अनुमान सहज लगाया जा सकता है कि यदि भारत विरोधी समूह राहुल से मिल रहा था तो उसका एजेंडा क्या रहा होगा सिखों के मामले में राहुल गांधी के बयान का आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू समर्थन करता है और वह इसका प्रतिवाद नहीं करते। देश में इसके विरुद्ध नैरेटिव भी नहीं बनता। ऐसी तो नौबत आनी ही नहीं चाहिए थी कि मल्लिकार्जुन खरगे भाजपा को ही आरोपित करने वाला पत्र प्रधानमंत्री को लिखते। भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के उत्तर में राहुल पर टिप्पणियां थीं और कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रयुक्त किए गए अपशब्दों का विवरण। इसमें सिखों पर दिए गए बयान या उनकी मुलाकातियों वाला अक्षम्य आचरण नेपथ्य में चला गया। भाषाओं के संदर्भ में दिया गया राहुल का वक्तव्य भी स्पष्ट विभाजनकारी और देश में संघर्ष पैदा करने वाला था।पिछले काफी समय से राहुल का पूरा नैरेटिव देश के अंदर जाति, समुदाय, भाषा, क्षेत्र, आर्थिक स्थिति आदि के आधार पर लोगों को संघर्ष के लिए उकसाने पर केंद्रित हो चुका है। भाजपा उनके विरुद्ध मीडिया में प्रतिक्रिया देती है, राहुल आगे बढ़कर कुछ और बोलते हैं, जिसे उनका इकोसिस्टम फैलाने में जुट जाता है। खुद को हिंदू कहने वाले हिंसा-नफरत करते हैं... वाला राहुल का भाषण हिंदुत्व विचारधारा वाले सभी संगठनों, उसे मानने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध उनके अभियान का खतरनाक हिस्सा था और अमेरिका का उनका वक्तव्य उसी का विस्तार था। कुछ भाजपा सांसदों ने उक्त भाषण का विरोध किया तो उसे संसद के रिकार्ड से निकाल दिया गया, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर वह पूरा भाषण उपलब्ध है। देश में इस भाषण के वीडियो को अभियान की तरह ले जाकर माहौल बनाया जा सकता था। यह सब नहीं हो पा रहा तो यह चिंता का विषय है।अगर भाजपा सरकार में होते हुए राहुल और उनकी विचारधारा से लड़ते हुए, उन्हें और उनके पूरे इकोसिस्टम को रक्षात्मक होने को विवश करते हुए नहीं दिख रही है तो यह असाधारण संकट का प्रमाण है। सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध जिस तरह का विष-वमन आइएनडीआइए के घटकों ने किया, उसके विरुद्ध भी ऐसी स्थिति नहीं पैदा की गई, जिससे आम लोग उनके विरोध में खड़े होकर उनके इकोसिस्टम पर प्रहार कर पाते। बौद्धिक क्षेत्र में जिस प्रखरता से इन विषयों को उठाया गया, उसका रत्ती भर भी असर राजनीति और संगठन के स्तर पर हुआ होता तो माहौल दूसरा होता। भाजपा के पास तो इस पूरे सोच का तथ्यों के साथ खंडित करने का ठोस आधार है। उदाहरण के लिए तमिल भाषा के विकास, तमिल विद्वानों का वैश्विक सम्मान तथा अन्य भाषाओं के साथ उसके समागम के जितने कदम मोदी सरकार ने उठाए, उतने किसी ने नहीं उठाया। इसी तरह भारत की सभी भाषाओं में प्रोफेशनल शिक्षा देने की नीति पहली बार बनी। फिर भी भाजपा अपने विरोधियों को बेनकाब नहीं कर पा रही है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि गलत नैरेटिव से भ्रमित होकर उसे सही मानने वालों की संख्या बढ़ी है और लोकसभा 2024 का परिणाम इसका साक्षी है।

# कार्य-जीवन में खतरनाक असंतुलन तैयार हो रहा हानिकारक माहौल

पिछले दिनों पुणे की एक युवा सीए का काम से संबंधित तनाव के कारण निधन हो जाना कार्यस्थल पर उस उच्च दबाव की याद दिलाता है, जिसका कई युवा पेशेवरों को प्रतिदिन सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में 9.5 प्रतिशत से अधिक आत्महत्याएं वेतनभोगी पेशेवरों द्वारा की गईं। यह चिंताजनक है और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। इस संकट के लिए किसी एक कारण को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा

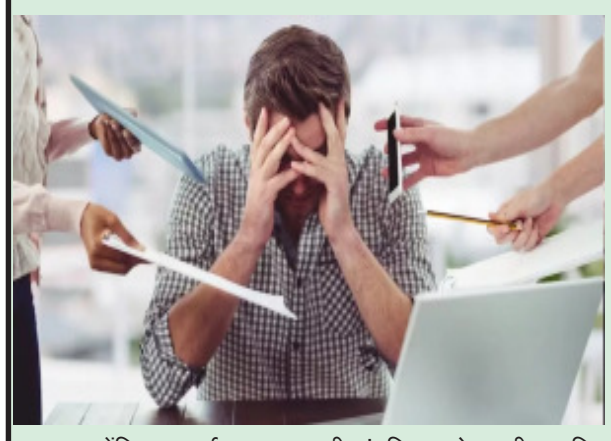

सकता, क्योंकि यह कार्यस्थल पर दबाव की संस्कृति से उत्पन्न हुआ है।यह सच है कि आज कारपोरेट जगत में प्रतिस्पर्धा पहले से कड़ी हो गई है। आज कंपनियां कम कार्यबल से जितना संभव हो, उतना उत्पादन करने की कोशिश कर रही हैं। इसने एक हानिकारक माहौल तैयार किया है, जो कार्यस्थल पर मानवता को लील रहा है। इसने कार्यस्थल को एक युद्धक्षेत्र में बदल दिया है, जहां व्यक्ति न केवल पदोन्नति या वेतन वृद्धि के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, बल्कि अपनी भावनात्मक भलाई के लिए भी लड़ रहे हैं। यहां प्रतिस्पर्धा कठिन है और युवा पेशेवर अक्सर कारपोरेट जीवन के तनाव के लिए तैयार नहीं होते। स्कूल और विश्वविद्यालय तकनीकी कौशल विकास पर तो ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन व्यक्ति के व्यवहार में लचीलापन लाने और तनाव प्रबंधन की उपेक्षा करते हैं। लंबे समय तक काम से संबंधित तनाव के कारण उत्पन्न बर्नआउट (मानसिक एवं शारीरिक थकान) का एक अन्य कारण सामाजिक अलगाव भी है। भारत में सीए या किसी अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम में सफलता प्राप्त करने का दबाव अक्सर छात्रों को कालेज के अनुभव से खुद को अलग करने के लिए प्रेरित करता है। केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के कारण वे कालेज जीवन से चूक जाते हैं। यह अलगाव उन्हें उच्च दबाव वाली कारपोरेट दुनिया के लिए तैयार नहीं कर पाता और उनमें आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल की कमी रह जाती है। कारपोरेट जगत अक्सर नेतृत्व और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बजाय अंतिम परिणामों की उपलब्धि या तकनीकी कौशल के आधार पर प्रबंधकों को बढ़ावा देता है। इससे प्रबंधकों के पास अपनी टीमों को भावनात्मक रूप से समर्थन देने के लिए समय और कौशल की कमी रह जाती है, जिससे तनाव पैदा होता है। कार्यस्थल पर पेशेवरों की संतुष्टि इससे काफी प्रभावित होती है कि उनके वरिष्ठ उनके साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उनकी टीम की गतिशीलता क्या है। युवा पेशेवरों को बर्नआउट से बचने के लिए उन्हें स्वीकृति या मान्यता प्रदान करने की भी आवश्यकता है। मान्यता एक मुख्य मानवीय आवश्यकता है। इसका मौद्रिक होना जरूरी नहीं है। एक साधारण धन्यवाद नोट या सार्वजनिक स्वीकृति ही काफी हो सकती है। इसके साथ-साथ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखना और कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। कारपोरेट संस्कृति में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नकारात्मक सोच कई कर्मचारियों को मदद मांगने से रोकता है। इसके लिए कंपनियों को एक ऐसा परिवेश बनाने की आवश्यकता है, जहां मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित किया जाए। इसके अतिरिक्त, तकनीकी प्रगति से प्रेरित आज की आलवेज आन संस्कृति ने पेशेवर और व्यक्तिगत समय के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया है, जिससे कर्मचारियों, विशेष रूप से युवा पेशेवरों के बीच तनाव का स्तर बढ़ रहा है। पेशेवरों को बर्नआउट की समस्या से निजात दिलाने के लिए कारपोरेट जगत को काम की मात्रा के बजाय जीवन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ओवरटाइम या सप्ताहांत में काम करने या व्यक्तिगत समय छोड़ने के लिए कर्मियों को पुरस्कृत करने के बजाय कंपनियों को दक्षता और संतुलन पर जोर देना चाहिए। कंपनियों को अपने कर्मियों को कार्यस्थल पर भलाई को प्राथमिकता देने, ब्रेक लेने और व्यक्तिगत समय की सीमाओं का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। सरकारों को भी सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंडे के हिस्से के रूप में कार्य-जीवन संतुलन का समर्थन करने की आवश्यकता है, क्योंकि लंबे समय तक काम करने से दीर्घकाल में मानसिक स्वास्थ्य संकट पैदा होता है और उत्पादकता कम होती है। कार्यस्थल पर उत्पादकता और खुशहाली बढ़ाने के लिए पारंपरिक 40 घंटे के कार्यसप्ताह को अपनाना एक आजमाया हुआ तरीका है। इस अवधारणा को स्वीडन जैसे देशों ने प्रभावी ढंग से लागू किया है, जिससे वहां उत्पादकता और कर्मचारियों की खुशी बढ़ी है। अध्ययन बताते हैं कि कम कार्यसप्ताह बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देता है, तनाव के स्तर को कम करता है और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देता है, जो लंबे समय में उत्पादकता बढ़ाने में योगदान करते हैं। जर्मनी की प्रायोगिक चार-दिवसीय कार्यसप्ताह योजना इसका ताजा उदाहरण है। स्वीडन और जर्मनी कड़ी मेहनत के बजाय बेहतर तरीके से काम करने के फायदों पर जोर देते हैं। दोनों देश दुनिया भर में कार्यस्थल संस्कृति में बदलाव पर जोर दे रहे हैं, ताकि कारपोरेट परिणामों और कर्मचारी कल्याण को समान महत्व दिया जा सके। ये माडल उन कंपनियों और सरकारों के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में काम कर सकते हैं, जो अधिक टिकाऊ कार्यसंस्कृति बनाना चाहते हैं और जो कर्मचारियों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और उत्पादकता को पहले स्थान पर रखते हैं। फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों ने तो श्रमिकों की भलाई और स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन सुनिश्चित करने के लिए डिस्कनेक्ट करने का अधिकार कानून लागू किया है। यह कानून कर्मचारियों को काम के बाद काम से संबंधित संचार से इन्कार करने का अधिकार देता है। कार्यस्थल पर तनाव के कारण खोया हुआ प्रत्येक जीवन यही बताता है कि कारपोरेट संस्कृति लोगों पर पैसे को, करुणा पर दक्षता को और कल्याण पर उत्पादकता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में हमें व्यावसायिक माहौल को फिर से विकसित करने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता है।

# बदलापुर मामले के आरोपी की मौत पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

बदलापुर में स्कूल के शौचालय में 12 अगस्त को दोनों बच्चियों के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था। अब आरोपी की एनकाउंटर में मौत होने पर विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी आमने सामने आ गई है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर पहले से ही माहौल गरमाया हुआ था। अब एक और विवाद खड़ा हो गया है। बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस की जवाबी गोलीबारी में मौत हो गई। अब आरोपी की मौत पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर पहले से ही माहौल गरमाया हुआ था। अब एक और विवाद खड़ा हो गया है। बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस की जवाबी गोलीबारी में मौत हो गई। अब आरोपी की मौत पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विपक्ष द्वारा घटना पर आश्चर्य जताए जाने और इसकी व्यापक व न्यायिक जांच की मांग के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पुलिस ने आत्मरक्षा में उन्हें गोली आरोपी को गोली मारी। उन्होंने आगे कहा, 'इससे पहले विपक्षी दलों ने अक्षय शिंदे को फांसी देने की मांग की थी। अब ये लोग आरोपी का पक्ष ले रहे हैं और महाराष्ट्र पुलिस की निष्ठा पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्षी नेताओं का ऐसा कृत्य निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।'उन्होंने विपक्ष द्वारा राजनीतिक सहानुभूति हासिल करने का आरोप लगाए जाने पर कहा कि वे लोग हमारी सरकार की मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना की सफलता से परेशान हैं।राज्य का गृह विभाग संभालने वाले उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विपक्ष हर मुद्दे पर सवाल उठाता है। वे (विपक्ष) चाहता था कि उसे फांसी दी जाए। अब जब पुलिस ने लोगों की जान बचाने की कोशिश की तो ऐसे सवाल किया जाना गलत है।बदलापुर मामले के आरोपी शिंदे की मौत के

बाद विपक्ष लगातार सत्तारूढ़ गठबंधन पर हमला बोल रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने सवाल उठाते हुए कहा था कि क्या यह सबूत नष्ट करने की कोशिश है। क्या पुलिस ने आरोपी को ले जाते समय उसके हाथ नहीं बांधे थे? उसने बंदूक कैसे ले ली? पुलिस इतनी लापरवाह कैसे थी? दउन्होंने कहा कि भाजपा से जुड़े स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन गिरफ्तार आरोपी को संदिग्ध परिस्थितियों में मार गिराया जाता है। उन्होंने आगे न्यायिक जांच की मांग कर कहा कि बदलापुर पुलिस पर कोई भरोसा नहीं है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने राज्य के गृह मंत्रालय पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस घटना में मुख्य आरोपी को स्थानांतरित करने में गृह विभाग द्वारा दिखाई गई लापरवाही संदिग्ध है। ऐसा लगता है कि सरकार कमजोर हो गई है।शिवसेना (यूबीटी) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने इस घटना की तुलना 2019 में तेलंगाना में दुष्कर्म के चार आरोपियों की गोली मारकर हत्या किए जाने से की। उन्होंने कहा, 'वहां भी पुलिस ने दावा किया था कि यह आत्मरक्षा में किया गया था। हालांकि मौतों की वजह से सच्चाई कभी सामने नहीं आई। यही हाल बदलापुर यौन उत्पीड़न के मामले भी होगा। क्या अक्षय शिंदे की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह कुछ और भयावह छिपा रहा था? स्कूल प्रबंधन अभी भी फरार क्यों है।'उन्होंने कहा, 'यह दिखाता है कि राज्य के गृह मंत्री गंभीर मामलों से निपटने में असमर्थ हैं। फडणवीस, जिनके पास गृह विभाग है, को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। क्या राज्य के गृह मंत्री द्वारा गंभीर मामलों को संभालने में उनकी अक्षमता को दर्शाता है।'बदलापुर कांड में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट उज्ज्वल निकम ने कहा, 'अक्षय शिंदे के खिलाफ दो चार्जशीट दाखिल की गई थीं और पुलिस के पास अक्षय शिंदे के खिलाफ पर्याप्त सबूत थे। दोनों बच्चियों ने आरोपी के रूप में अक्षय शिंदे की पहचान की थी। पुलिस के पास इस बात के पुख्ता सबूत थे कि अगर मामला कोर्ट में जाता तो उसे मौत की सजा मिलती। जब आरोपी को पता चलता है कि उसके भागने की कोई संभावना नहीं है, तो वे हिंसक हो सकते हैं। इसलिए, अक्षय शिंदे मनोवैज्ञानिक रूप से उदास हो सकता है और इसलिए उसने पुलिस पर हमला किया या आत्महत्या करने की कोशिश की तथा पुलिस को जवाबी कार्रवाई में गोली चलानी पड़ी और दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। दुर्भाग्य से कई नेता इस घटना पर राजनीति कर रहे हैं। न्यायिक जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी। बदलापुर घटना में अन्य आरोपियों के खिलाफ ट्रायल चलाया जाएगा'

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES
- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)
- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)
- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

## यूपीआईटीएस 2024 में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से स्थापित किया गया रामायण दर्शन पवेलियन, लोगों की जुट रही भीड़

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।** सनातन धर्म में मान्यता है कि भगवान हर कहीं हैं। वो सर्वत्र हैं, कण-कण में हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि प्रदेश में कोई आयोजन हो और भगवान राम वहां न हों। ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित किए जा रहे 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' के द्वितीय संस्करण (यूपीआईटीएस 2024) में भी 'विश्व की सनातन संस्कृति के प्राण' प्रभु श्रीराम और उनकी नगरी अयोध्या को सृजित किया गया है और वो भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से। एआई रामायण दर्शन के नाम से एक पवेलियन को यहां स्थापित किया गया है, जिसमें सभी इमेजेस को एआई की मदद से जेनरेट किया गया है। इस पवेलियन में अयोध्या को उसके पुरातन वैभव की कल्पना के अनुरूप वास्तविक छवि में प्रस्तुत किया गया है तो भगवान राम के जीवनकाल से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को भी भव्य तरीके से दर्शाया गया है। इस मनोरम पवेलियन में इन सभी छवियों के बीच बैकग्राउंड में

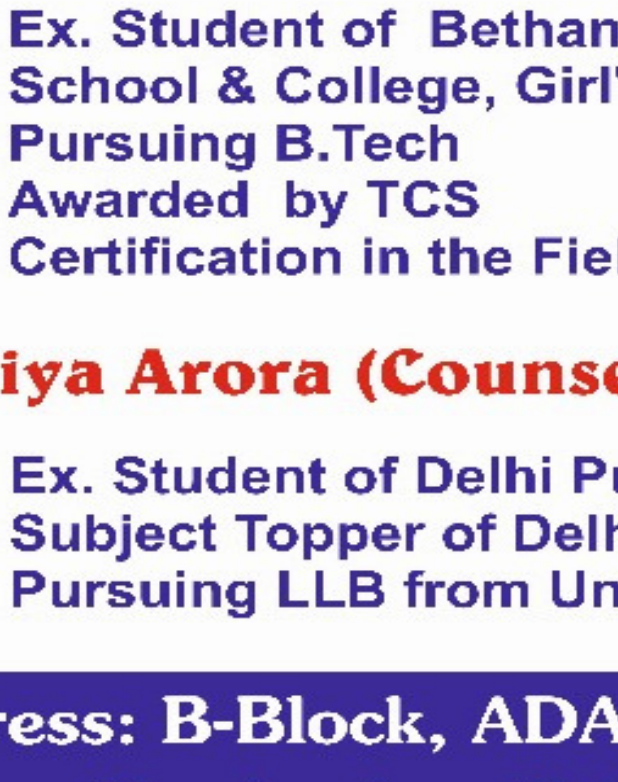


बजता राम सिया राम का म्यूजिक इसकी आभा को और निखार रहा है तो वहीं यह लोगों की आस्था और आकर्षण का केंद्र भी बना हुआ है। आध्यात्म और आधुनिकता का अद्भुत संगम यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग की तरफ से 'रामायण दर्शन' नाम के स्टॉल को स्थापित किया गया है। यह एआई जेनरेटेड रामायण है, जिसमें भगवान श्री राम के जीवन चरित्र के सभी प्रमुख प्रसंगों की झलक विजिटर्स को देखने को मिल रही है। जिन प्रसंगों को यहां पर दिखाया गया है उसमें भगवान श्रीराम द्वारा भाइयों के साथ गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण, सीता स्वयंवर, वनवास, सीता हरण, लंका दहन और रावण वध प्रमुख रूप से शामिल हैं। एआई के माध्यम से निर्मित छवियों में रामायण के सभी पात्रों में सादगी और वैभव, वास्तविकता और विरासत तथा अध्यात्म व आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि यूपीआईटीएस में हर जगह इस प्रदर्शनी की चर्चा हो रही है। यही नहीं, देशी और विदेशी विजिटर्स का यहां आना जाना लगा हुआ है। विजिटर्स का कहना है कि प्रदर्शनी को देखकर उन्हें सुकून महसूस होता है और पूरा माहौल राममय हो जाता है। लोग यहां पर आकर सेल्फी भी ले रहे हैं और संपूर्ण रामायण का साक्षात्कार कर प्रभु श्रीराम के प्रेरक प्रसंगों की छवि को खुद में आत्मसात कर रहे हैं।

## तीन अक्टूबर को सेक्टर-62 के रामलीला मैदान मे श्रीरामलीला मंचन का होगा शुभारंभ

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नोएडा।** श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में श्रीराम मित्र मंडल नोएडा द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ माननीय सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.महेश शर्मा जी और माननीय विधायक श्री पंकज सिंह जी के द्वारा 3 अक्टूबर को किया जाएगा।3 अक्टूबर को गणेश पूजन,नारद मोह और पृथ्वी पर राक्षसों का उत्पात इन प्रसंगों पर लीला का मंचन किया जाएगा।द्वितीय दिवस की लीला में 4 अक्टूबर को देवताओं द्वारा विष्णुजी से प्रार्थना,राम जन्म,भगवान शिव द्वारा राम लला के दर्शन,विश्वामित्रजी द्वारा राम और लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा हेतु दसरथ से माँग कर लाना,मारीच,सुबाहु,ताड़का वध,आदि प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।तृतीय दिवस पाँच अक्टूबर को ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में जनकदूत का आगमन,पुष्प वाटिका में राम सीता का प्रथम साक्षात्कार और गौर-गौरी पूजन के प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।चतुर्थ दिवस छह अक्टूबर को राजा जनक द्वारा अतिथि राजाओं का स्वागत,राम द्वारा धनुष भंग, परशुराम क्रोध और वरमाला के प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।पंचम दिवस 7 अक्टूबर को सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से दोपहर बाद 1 बजे श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जायेगी।कई सेक्टरों और गाँवों से होते हुए शोभायात्रा शाम को रामलीला मैदान सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल पहुंचेंगी।रामलीला मैदान में राजा जनक भगवान श्रीराम के बारात का स्वागत करेंगे।फिर राम बारात का उत्सव मनाया जायेगा।श्रीराम के अभिषेक की घोषणा होगी।मंथरा-कैकई संवाद और कैकई-दसरथ संवाद के प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।षष्ठम् दिवस 8 अक्टूबर को राम बनवास की आज्ञा,राम का वनगमन,भरत-कैकई संवाद,भरत-राम का मिलाप,राम का सीता की खोज में जाना आदि प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।सप्तम दिवस के लीला मंचन में राम हनुमान जी का मिलन,राम-हनुमान संवाद,लंकादहन आदि प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।अष्टम दिवस 10 अक्टूबर को रावण द्वारा विभीषण का त्याग,रामेश्वरम की स्थापना,रावण-अंगद संवाद,लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध,लक्ष्मण मूर्च्छा, हनुमान का संजीवनी लाना,आदि प्रसंगों पर लीला मंचन किया जाएगा।नवम दिवस के लीला मंचन में 11 अक्टूबर को राम-कुंभकरण का युद्ध,कुंभकरण का राम के हाथों वध,लक्ष्मण द्वारा मेघनाद का वध,रावण-सुलोचना संवाद आदि प्रसंगों पर लीला का मंचन होगा।दशम दिवस 12 अक्टूबर को राम-रावण युद्ध,भगवान राम के हाथों रावण का अंत,रावण के अंत के उपलक्ष्य में दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा तथा रावण,कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जायेगा।एकादश दिवस 13 अक्टूबर को राम जी का राज्याभिषेक होगा और भगवान राम के राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जाएगा और डांडिया उत्सव आयोजित किया जाएगा,जिसमें सैकड़ों लोग भाग लेंगे।इसके साथ ही श्रीराम मित्र मंडल नोएडा द्वारा आयोजित 11 दिवसीय श्री रामलीला मंचन और श्री रामलीला महोत्सव का समापन हो जाएगा।समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल ने बताया कि लीला मंचन मुरादाबाद की प्रसिद्ध लीला मंडली जानकी कला मंच के पचपन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जायेगी।समिति के सहकोषाध्यक्ष अनिल गोयल ने बताया कि सभी कलाकारों को मुरादाबाद में प्रतिदिन लीला मंचन का अभ्यास कराया जा रहा है।

# बॉलीवुड/टेली मसाला

## विदेश में भी जूनियर एनटीआर का जलवा, प्रभास के बाद हासिल की यह खास उपलब्धि

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** जूनियर एनटीआर की देवराः पार्ट 1 इन दिनों खूब सुखिय्यां बटोर रही है। फिल्म को लेकर फैंस

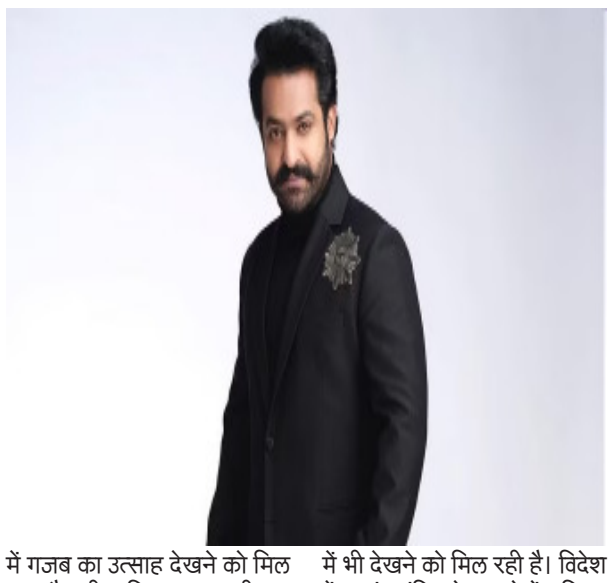

में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। तीन दिन बाद यानी 27 सितंबर, 2024 को यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। कई भाषाओं में रिलीज होने जा रही इस फिल्म के लिए दीवानगी केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी देखने को मिल रही है। विदेश में एडवांस बुकिंग के मामले में जूनियर एनटीआर ने एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। दरअसल, जूनियर एनटीआर की लगातार दो फिल्में प्री-सेल में 20 लाख डॉलर से अधिक की कमाई कर चुकी हैं। ऐसा कारनामा करने वाले वह दूसरे भारतीय अभिनेता बन चुके हैं। फिल्म में सैफ अली खान विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इसका दूसरा ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे देखकर प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया था। सोशल मीडिया पर फैंस ने इस ट्रेलर की जमकर तारीफ की थी।इस फिल्म में श्रीकांत, प्रकाश राज, मुरली शर्मा, शाइन टॉम चाको और गेटअप श्रीनू जैसे शानदार कलाकार भी हैं। अनिरुद्ध रविचंदर इस फिल्म को अपने संगीत से सजाया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो जूनियर एनटीआर इन दिनों प्रशांत नील के साथ एक फिल्म में काम करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इसको लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ सकी है।

## रिपीट होता है द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 का कंटेंट कीकू शारदा बोले- ओटीटी अलग है

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** कपिल शर्मा टीवी की दुनिया के बड़े नाम हैं। उन्होंने टीवी पर अपने कॉमडी शो के जरिए घर-घर में अपनी पहचान बनाई है।

हाल में ही उनकी नेटफ्लिक्स कॉमेडी सीरीज, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए सीजन को दोबारा से शुरू किया गया है। जब से शो के दूसरे सीजन का प्रीमियर हुआ है, तब से लोग इसके कंटेंट को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि कपिल के शो का कंटेंट रिपीट है। अब इस पर कीकू शारदा ने चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस डॉट कॉम से अपनी यात्रा के बारे में भी बात की और बताया कि कपिल शर्मा के साथ काम करने के बाद उनकी जिंदगी कैसे बदल गई है। कीकू ने कहा, ''पहले इतनी पहुंच नहीं थी, जब हम अमेरिका जाते थे तो लोग हमें बताते थे कि उन्होंने यहां-वहां कुछ एपिसोड देखे हैं। वे इसे चैनल पर देखने के तरीके ढूंढते थे, लेकिन नेटफ्लिक्स कई देशों में स्ट्रीम करता है , इसलिए पहुंच काफी बढ़ गई है। कीकू ने आगे कहा, ठहमने शो को हमेशा पूरी मेहनत के साथ किया है। हमने पहले सीजन को काफी एंजॉय किया था और अब इसका दूसरा सीजन भी काफी बड़ा है और पिछले से काफी अलग भी है। मेहनत वही है, पहले सप्ताह में दो शो करते थे और अब सप्ताह में केवल एक एपिसोड आता है, क्योंकि कम एपिसोड देने होते हैं, इसलिए थोड़ा आराम मिलता है।कॉमेडियन से आगे महिलाओं के कपड़े पहनने के अनुभव को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, ठमैं एक अभिनेता हूं इसलिए मुझे ऐसा होना चाहिए। मैं अपने रास्ते में आने वाली हर चीज पेश करने में सक्षम हूं। मैं अपने हर किरदार को मनोरंजक बनाने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं एक महिला का किरदार निभाता हूं, मैं यह कंफर्म करता हूं कि वह सम्मानजनक ही लगे।बता दें कि कीकू को इंडस्ट्री में लगभग 21 साल हो गए हैं, उन्होंने फंतासी नाटक, हातिम से अपनी शुरुआत की। बाद में, उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की खोज की, जो फलफूल रही थी।

## बिग बॉस 18 शुरू होने से पहले ही इस प्रतिभागी का कटा पत्ता, जानें क्यों शो से हुए बाह

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** सलमान खान के 'बिग बॉस 18' शो को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त हाइप बना हुआ है। शो के प्रोमो के आने के बाद से ही लोगों में शो को लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। शो को लेकर पिछले

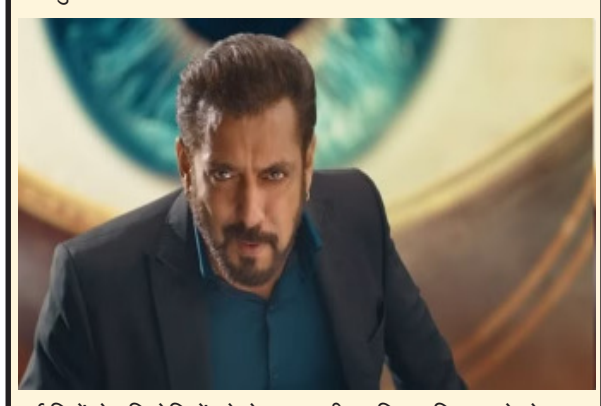

कई दिनों से प्रतियोगियों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, अब कई नाम कंफर्म भी हो गए है और मेकर्स द्वारा उनकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अब इन सब के बीच शो शुरू होने से पहले ही एक बिग बॉस 18 से एक नाम का पत्ता साफ हो गया है। आइए जानते हैं कि वह कौन है।कुंडली भाग्य' से दर्शकों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बनाने वाले अभिनेता धीरज धूपर पिछले कुछ दिनों से टीवी से दूर अपनी निजी जिंदगी में काफी व्यस्त थे। हालांकि, कयासों का बाजार गर्म था कि अभिनेता 'बिग बॉस 18' से एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे, लेकिन अब अभिनेता के फैंस के लिए एक बुरी खबर है। धीरज का नाम लिस्ट से बाहर कर दिया गया है।खबर थी कि धीरज ने मेकर्स के सामने अपने कुछ डिमांड रखे थे और पिछले कई दिनों से इसे लेकर मेकर्स से उनकी बातचीत चल रही थी। अब शो की हालिया लिस्ट को देखकर लगता है कि मेकर्स ने अभिनेता की डिमांड मानने से इनकार कर दिया है। इससे पहले ईशा कोप्पिकर भी शो करने से पीछे हट गई थीं।धीरज के अलावा जारी की गई लिस्ट में बाकी सितारों के नाम को कंफर्म ही बताया जा रहा है। वही, कई रिपोर्ट्स यह भी दावा कर रही हैं कि धीरज ने शो में आने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि उनका कहना था कि शो में कई बड़े और नामी चेहरे आ रहे हैं। ऐसे में वह शो जीतने में शायद असफल साबित होंगे। इससे पहले सायली सालुंखे के नाम को लेकर भी चर्चा तेजी, लेकिन पिछले दिनों खबर आई कि वह इस शो में हिस्सा नहीं ले रही है।

## संदीप सिंह की इंस्टा पोस्ट से फिल्म जगत में खलबली, पोस्ट फेडरेशन के पास फिल्म जमा होने पर या

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** रणदीप हुड्डा के निर्देशन में बनी और इस साल मार्च में रिलीज हुई फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' भी फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के पास सबमिट होने वाली फिल्मों

में शुमार थी। निर्माता संदीप सिंह ने आधिकारिक रूप से यह जानकारी फैंस के साथ साझा की है। प्रतिष्ठित ऑस्कर अवॉर्ड 2025 के लिए भारत की तरफ से भेजे जाने वाली फिल्म का कल सोमवार को एलान हो चुका है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 'लापता लेडीज' को आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना है। इस बीच 'स्वतंत्र वीर सावरकर' के प्रोड्यूसर संदीप सिंह ने आज मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। उन्होंने इसमें कुछ ऐसा लिख दिया है कि फिल्म जगत में खलबली मच गई है। लोग असमंजस में हैं कि क्या रणदीप हुड्डा की फिल्म भी ऑस्कर में भेजी जा रही है? आखिर मामला क्या है? चलिए पड़ताल करते हैं फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' भी फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के पास सबमिट होने वाली फिल्मों में शुमार थी। दरअसल, फेडरेशन के पास कुल 29 फिल्मों की सूची थी। इनमें साउथ से लेकर बॉलीवुड तक की तमाम फिल्में शामिल थीं। इन्हीं में से 'लापता लेडीज' को फेडरेशन ने आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना। रणदीप हुड्डा की फिल्म को भी फेडरेशन के पास सबमिट किया गया था। हालिया पोस्ट में संदीप सिंह ने यही जानकारी दी है। संदीप सिंह ने पोस्ट के साथ दो तस्वीरें साझा की हैं और लिखा है, 'बहुत सम्मानित महसूस हो रहा है! हमारी फिल्म 'स्वातंत्र सावरकर को आधिकारिक तौर पर ऑस्कर के लिए प्रस्तुत किया गया । इसके लिए हम फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के शुक्रगुजार हैं। हमारे लिए यह सफर वाकई अनमोल रहा है और हम उन सभी के प्रति शुक्रगुजार हैं, जिन्होंने इस दौरान हमारा साथ दिया'।'स्वतंत्र वीर सावरकर' इस साल मार्च में रिलीज हुई। इस फिल्म का निर्देशन रणदीप हुड्डा ने किया है, साथ ही मुख्य भूमिका भी उन्होंने अदा की। रणदीप ने यह फिल्म संदीप सिंह व अन्य लोगों के साथ मिलकर प्रोड्यूस की। अब संदीप सिंह के हालिया पोस्ट ने लोगों को कंफ्यूज कर दिया है कि क्या यह फिल्म भी ऑस्कर में जा रही है? हालांकि, उनकी पोस्ट में ऐसा कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने सिर्फ फेडरेशन के पास इसे सबमिट किए जाने की बात लिखी है।

## दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट का क्रेज, होटल के दामों ने छुआ आसमान

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** भारत में दुनिया के लोकप्रिय बैंड कोल्ड्प्ले के शो का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे

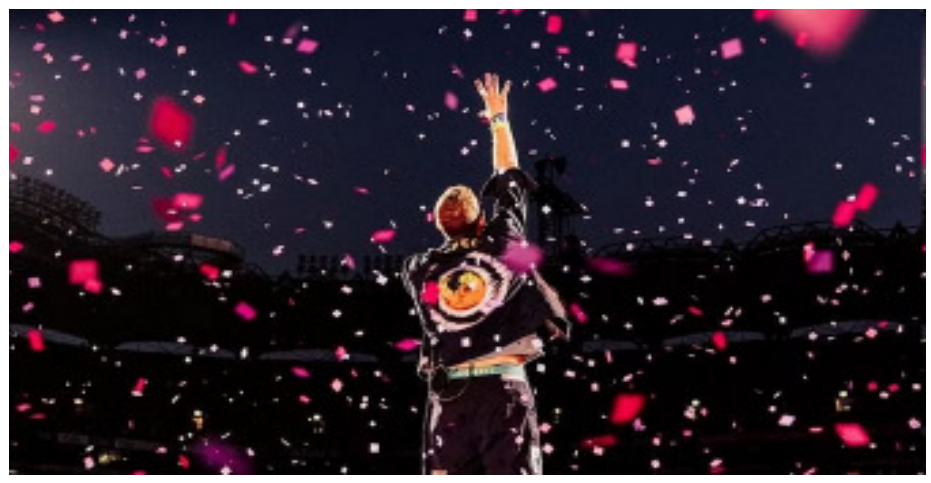

हैं। हालांकि, कोल्ड प्ले के फैंस उस समय काफी ज्यादा निराश हुए, जब लोकप्रिय बैंड के मुंबई शो के टिकट कुछ ही मिनटों में बिक गए। एक तरफ दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट का क्रेज लोगों के सिर चढ़ा ही था कि अब कोल्ड प्ले की वाइब में हर कोई झूम रहा है। खबर है कि मुंबई के बाद अहमदाबाद में भी कोल्ड्प्ले के कॉन्सर्ट होंगे। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कोल्ड्प्ले भारत में एक और शो करने जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि क्रिस मार्टिन 25 जनवरी, 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में परफॉर्म करने वाले हैं। इस अटकल ने पूरे देश में नेटीजंस को बहुत उत्साहित कर दिया है और इसके परिणामस्वरूप, शहर में होटल की कीमतें आसमान छू रही हैं। आपके बता दें कि अहमदाबाद में कोल्ड्प्ले के इस शो के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही बैंड ने अपनी तरफ से इस खबर पर मुहर लगाई है। कोल्ड्प्ले 18 जनवरी, 19 जनवरी और 21 जनवरी, 2025 को मुंबई में प्रदर्शन करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फैंस का क्रेज इतना ज्यादा बढ़ गया है कि जिन टिकटों की कीमत मूल रूप से 4,000 रुपये थी, उन्हें लोग 778,952 रुपये प्रति टिकट में बेच रहे हैं। यही नहीं, 12,500 रुपये की कीमत वाले टिकटों को 1.21 लाख रुपये में बेच रहे हैं। यही नहीं, बता दें कि जैसे ही बुक माय शो मे टिकट की बिक्री शुरू हुई। कुछ ही देर में यह साइट भी क्रैश हो गई। मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने टिकट बुकिंग की धीमी स्पीड के बारे में शिकायत करना शुरू कर दिया। हालांकि, थोड़ी देर की रुकावट के बाद ये फिर से ठीक तो हो गया लेकिन सोशल मीडिया पर मीम की बाढ़ आ गई।

## 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को ऑस्कर में न भेजे जाने पर मंजू माई दुखी, 'लापता लेडीज' पर कही ये बात

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को ऑस्कर के लिए नामांकित नहीं किए जाने पर छाया कदम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वे अपनी दोनों ही फिल्मों को प्रतिष्ठित अवॉर्ड के लिए रेस में देखना चाहती थीं। फिल्म 'लापता लेडीज' को भारत की तरफ से ऑस्कर 2025 में भेजा जा रहा है। किरण राव के निर्देशन में बनी इस फिल्म को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना है। फिल्म की इस उपलब्धि पर सभी सितारे बेहद खुश हैं। 'लापता लेडीज' में मंजू माई के किरदार में नजर आई छाया कदम ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। लेकिन, साथ ही वे दुखी भी हैं। उन्हें इस बात का मलाल है कि फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को भारत की ओर से ऑस्कर में नहीं भेजा गया है।'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को ऑस्कर के लिए नामांकित नहीं किए जाने पर छाया कदम ने प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में एक न्यूज पोर्टल से बातचीत करते हुए छाया कदम ने अपनी खुशी का इजहार किया। हालांकि, उनकी दूसरी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ऑस्कर की रेस में शामिल नहीं हो पाई है, इसे लेकर वे काफी खराब महसूस कर रही हैं। पायल कापड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में भी छाया कदम नजर आई हैं।छाया कदम का कहना है कि वे अपनी दोनों फिल्मों को ऑस्कर में देखना चाहती थीं और ऐसा होता तो उन्हें अच्छा लगता। 'लापता लेडीज' को एंट्री मिलने पर छाया कदम ने कहा, 'यह गर्व का पल है। मैं 'लापता लेडीज' के लिए खुश हूं, लेकिन साथ ही पायल की फिल्म के लिए भी थोड़ा खराब लग रहा है। हालांकि, इसका फैसला भी फिल्म फेडरेशन के बड़े लोगों ने किया है, इसलिए इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है। मैं दोनों फिल्मों को ऑस्कर में देखना पसंद करती'।पायल कपाड़िया के निर्देशन में बनी फिल्म को भले ही भारत की तरफ से ऑस्कर में न भेजा जा सका, लेकिन फ्रांस की तरफ से यह ऑस्कर में जा रही है। बात करें फिल्म 'लापता लेडीज' की तो यह इस साल मार्च में रिलीज हुई। सिनेमाघरों में इसे खास तवज्जो नहीं मिली, लेकिन ओटीटी पर रिलीज किए जाने के बाद इसने तहलका मचा दिया। फिल्म को ऑस्कर में भेजे जाने पर किरण राव से लेकर आमिर खान और बाकी सितारों ने खुशी जताई है।

## जल्द बंद हो जाएगा 'लाफ्टर शेफ्स' का प्रसारण अर्जुन बिजलानी के पोस्ट से फैंस ने लगाए कयास

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** कलर्स पर प्रसारित हो रहे टीवी शो 'लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' का प्रसारण जल्द बंद हो सकता है। शो में नजर आ रहे टीवी अभिनेता अर्जुन बिजलानी के एक नए पोस्ट को लेकर फैंस भी कई तरह के

कयास लगा रहे हैं। खाना पकाने पर आधारित टीवी शो 'लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' का प्रसारण अब बंद होने वाला है। इस शो का आखिरी एपिसोड अक्तूबर में प्रसारित होगा। शो में कई मशहूर टीव हस्तियां नजर आ रही हैं। इनमें भारती सिंह, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, अर्जुन बिजलानी, कृष्णा अभिषेक, करण कुंद्रा, निया शर्मा, जनन्त जुबैर रहमानी, रीम शेख, सुदेश लहरी और कश्मीरा शाह शामिल हैं। कलर्स पर प्रसारित होने वाले इस शो को सेलिब्रिटी शेफ हरपाल सिंह सोखी जज करते हैं। हालांकि, हंसी-मजाक से भरे इस शो का अंत अब नजदीक आ चुका है। अर्जुन बिजलानी के एक पोस्ट से फैंस इसका अंदाजा लगा रहे हैं। इस साल जून में रिलीज हुए इस शो को दर्शकों द्वारा पसंद भी किया जा रहा है, जिसमें खाना बनाने के बहाने हंसी-ठिठोली का माहौल बना रहता था। हाल में ही ये चर्चा हुई थी कि शो को आगे कुछ महीनों के लिए बढ़ाया जा सकता है। कहा जा रहा था कि इस शो को जनवरी 2025 तक बढ़ाया जा सकता है, लेकिन अब इन सभी बातों पर विराम लगता हुआ नजर आ रहा है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक आगामी रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन को लेकर इस शो को अब बंद किया जा सकता है। इस वजह से इस शो का आखिरी एपिसोड अब अक्तूबर में प्रसारित होगा। कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि चैनल की तरफ से पहले सभी कलाकारों को सूचित किया गया था और जनवरी 2025 तक की तारीखें भी मांगी गई थीं। हालांकि, इसे लेकर कोई अनुबंध नहीं किया गया था। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि शो का आखिरी एपिसोड अक्तूबर में प्रसारित होगा और इसकी जगह अब बिग बॉस शो को दिया जा सकता है। टीवी के इस लोकप्रिय और विवादित रियलिटी शो की मेजबानी एक बार फिर सलमान खान करने वाले हैं। सलमान इस बार भी बिग बॉस के 18वें सीजन की मेजबानी करते नजर आएंगे। बताते चलें कि इसका पिछला सीजन कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी ने जीता था। 'बिग बॉस 18' का प्रीमियर 6 अक्टूबर को कलर्स पर होने वाला है।अर्जुन बिजलानी के नवीनतम पोस्ट से फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि इस शो पर जल्द ही विराम लग सकता है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, बहुत मजा आया।ठ उनके इस पोस्ट पर फैंस ने तरह-तरह की प्रतिक्रियां दे रहे हैं। कुछ फैंस का कहना है कि ये शो राजकुमार राव, तृप्ति डिमरी और मुनव्वर फारुकी वाले एपिसोड के साथ समाप्त हो जाएगा।

## गुरदास मान ने की शाहरुख खान के व्यवहार की तारीफ, साझा किया 'वीर जारा' की शूटिंग से जुड़ा वाकया

**(आधुनिक समाचार नेटर्वक)**

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान को उनके स्वाभाव और मेजबानी के लिए काफी तारीफें मिलती है। अब पंजाब के लोकप्रिय गायक गुरदास मान ने उनके व्यवहार की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म 'वीर जारा' की शूटिंग से जुड़ा एक वाकया साझा किया है। शाहरुख खान हिंदी फिल्मों के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्होंने लगातार कई दशकों से दर्शकों का मनोरंजन किया है। उन्होंने अपने करियर के दौरान एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं। अपने अभिनय के अलावा वो अपने स्वाभाव के लिए भी काफी तारीफें हासिल करते हैं। उन्हें उनके विनम्र स्वभाव, मजाकिया अंदाज और साफ विचारों के लिए काफी सराहना मिलती है। रितेश देशमुख, कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और अभिनेता राघव जुयाल सहित कई फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कई हस्तियों ने शाहरुख की तारीफ की है कि

वो बेहद शानदार मेजबान हैं। हाल में पंजाब के लोकप्रिय गायक गुरदास मान ने भी उनकी तारीफ की है। टीवी 9 डिजिटल के साथ एक नए इंटरव्यू के दौरान, गुरदास मान ने शाहरुख खान के अच्छे व्यवहार को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि कि साल 2004 में यश चोपड़ा की फिल्म 'वीर जारा' की शूटिंग के दौरान शाहरुख का व्यवहार उनके प्रति बेहद खास था। उन्होंने कहा कि वह उनका काफी सम्मान करते थे। लोकप्रिय गायक ने याद करते हुए बताया कैसे वीर जारा की शूटिंग के दौरान शाहरुख ने उन्हें गले लगाया था। गुरदास मान ने कहा कि जिस तरह से शाहरुख ने उन्हें गले लगा के उठाया, तो उन्हें काफी सम्मानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि वह उनके साथ बहुत प्यार और सत्कार से पेश आए। गुरदास ने आगे कहा कि शाहरुख ने उन्हें जो भी वह खाना-पीना चाहते थे, वो सब का इंतजाम किया और खिलाया। इसके बाद वह उन्हें कार तक छोड़ने भी गए। गायक ने आगे कहा कि शाहरुख में काफी सम्मान और शिष्टाचार है। इस वजह से ही वह एक सच्चे कलाकार बन पाए। बताते चलें कि गुरदास मान ने इस फिल्म में लता मंगेशकर, उदित नारायण और प्रीता मजूमदार के साथ ऐसा देस है मेरा गाना गाया था। इसके अलावा उन्होंने मंगेशकर और नारायण के साथ लोहड़ी गाना भी गाया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।